सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गेंदबाजों के कमाल के बाद बेनेट की नाबाद पारी से जिबावे ने.. पेज: 7

एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 301 | मंगलवार 10 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

स्पीकर ओम बिरला पर कांग्रेस का 'चिट्ठी बम', कहा- पीएम मोदी को बचाने के लिए हमें बदनाम किया

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महिला सांसदों ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी ने उन्हें उनके खिलाफ "झूठे, निराधार और मानहानिकारक" दावे करने के लिए मजबूर किया। अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सदन में न आने का आग्रह किया था ताकि कोई अप्रिय घटना न हो, क्योंकि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ कांग्रेस सांसद सदन में प्रधानमंत्री की सीट पर आकर अभूतपूर्व घटना को अंजाम दे सकती हैं। सांसदों ने कहा कि सदन में उनका विरोध शांतिपूर्ण और संसदीय मानदंडों के अनुरूप था, लेकिन उन्हें अभूतपूर्व रूप से निशाना बनाया गया। पत्र में सांसदों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लगातार

सेशल्स बना भारत का रणनीतिक साथी, पूरे हिंद महासागर में भारत का जाल फैलाने में जुटे हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉक्टर पैट्रिक अर्मिनी की भारत यात्रा ऐसे समय हुई है जब हिंद महासागर विश्व राजनीति का नया रणक्षेत्र बनता जा रहा है। इस पृष्ठभूमि में नई दिल्ली ने साफ संकेत दिया है कि वह अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ रिश्तों को केवल शिष्टाचार तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि उन्हें सामरिक, आर्थिक और तकनीकी ताकत में बदलेगी। यही कारण है कि इस यात्रा ने भारत सेशेल्स संबंधों को एक नए चरण में पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति अर्मिनी की मौजूदगी में दोनों देशों ने कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। सबसे बड़ी घोषणा रही सेशेल्स के लिए 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर की विशेष आर्थिक सहायता योजना। यह सहायता सामाजिक आवास, विद्युत

गतिशीलता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसी ठोस परियोजनाओं पर खर्च होगी। साफ है कि भारत केवल वादे नहीं, जमीन पर दिखने वाले काम चाहता है। प्रधानमंत्री ने दो टूक कहा कि विकास साझेदारी ही दोनों देशों के संबंधों की मजबूत नींव है और भारत के सभी प्रयास सेशेल्स की जरूरतों पर आधारित हैं। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने, वित्त तकनीक और डिजिटल समाधान पर साथ काम करने तथा डिजिटल रूपांतरण में भारत के अनुभव को साझा करने पर सहमति बनी। इससे शासन, सेवा वितरण और पारदर्शिता में तेजी आने की उम्मीद है। सेशेल्स के सरकारी अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भी समझौता हुआ है। भारत का क्षमता निर्माण कार्यक्रम पहले से ही सेशेल्स के मानव संसाधन को मजबूत करता रहा है। अब इसे और गति दी जाएगी ताकि युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसर मिलें। स्वास्थ्य क्षेत्र में सस्ती और अच्छी दवाओं की आपूर्ति, चिकित्सीय पर्यटन और स्वास्थ्य ढांचे

सेशेल्स के मानव संसाधन को मजबूत करता रहा है

सेशेल्स के सरकारी अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भी समझौता हुआ है। भारत का क्षमता निर्माण कार्यक्रम पहले से ही सेशेल्स के मानव संसाधन को मजबूत करता रहा है। अब इसे और गति दी जाएगी ताकि युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसर मिलें।

के विकास पर जोर रहेगा। साथ ही ऊर्जा और जलवायु के क्षेत्र में दोनों देश मिलकर तेजी से काम करेंगे। साफ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाएगा, जलवायु बदलाव से निपटने के उपाय खोजे जाएंगे और ऐसी अवसंरचना बनाई जाएगी जो आपदाओं को झेल सके। स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन और बिजली से चलने वाले वाहनों पर भी जोर रहेगा। साथ ही पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति और खेल के माध्यम से दोनों देशों के लोगों को और करीब लाने की कोशिश होगी, खास तौर पर युवाओं के आदान प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा, समुद्री पड़ोसी होने की वजह से समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था दोनों देशों के सहयोग का स्वाभाविक क्षेत्र है। समुद्री अनुसंधान, प्रशिक्षण और जानकारी साझा करने में भारत सेशेल्स की मदद करेगा। रक्षा सहयोग और समुद्री सुरक्षा इस रिश्ते की रीढ़ हैं। सेशेल्स को कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन का पूर्ण सदस्य बनाए जाने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे हिंद महासागर में शांति और स्थिरता मजबूत होगी। इसके अलावा, दोनों देशों ने एक संयुक्त दृष्टि पत्र जारी करने का निर्णय लिया जो आने वाले वर्षों के लिए सहयोग का मार्गदर्शक होगा। राष्ट्रपति अर्मिनी ने सेशेल्स की आजादी के पचास वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री को मुख्य अतिथि बनने का निमंत्रण दिया। साथ ही यह वही वर्ष है जब दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के भी पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं।

हम आपको बता दें कि अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति अर्मिनी ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने चेन्नई और मुंबई में स्वास्थ्य, बंदरगाह, जहाजरानी, निवेश और समुद्री उद्योग से जुड़े पक्षों से बातचीत भी की थी।

एसआईआर प्रक्रिया में बाधा बर्दाश्त नहीं, सुप्रीम कोर्ट का पश्चिम बंगाल बहाने सभी राज्यों को कड़ा संदेश

पश्चिम बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल में विशेष जांच रिपोर्ट (एसआईआर) को लेकर सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय एसआईआर प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आने देगा। उन्होंने कहा कि जहां भी सुधार की आवश्यकता होगी, वहां आदेश जारी किए जाएंगे, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि किसी भी प्रकार की रुकावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीजेआई ने टिप्पणी की कि सभी राज्यों को यह समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में दस्तावेजों के सत्यापन और अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की 14 फरवरी की समय सीमा को एक सप्ताह बढ़ाकर 21 फरवरी कर दिया। सीजेआई ने यह भी कहा कि

यदि अधिकारियों की सूची 5 फरवरी तक प्रस्तुत कर दी गई होती, तो भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) अब तक निर्णय ले चुका होता। न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारी की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि पुनरीक्षण प्रक्रिया निर्धारित समय के अनुसार ही आगे बढ़नी चाहिए। चुनाव आयोग की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एस. नायडू ने मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की नियुक्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने तर्क दिया कि ईआरओ अर्ध-न्यायिक कार्य करते हैं और इसलिए उनके पास पर्याप्त न्यायिक अनुभव होना आवश्यक है। नायडू ने बताया कि ईसीआई ने लगभग 300 ग्रुप बी अधिकारियों की मांग की थी, लेकिन ऐसे अनुभव वाले केवल 64 अधिकारियों को ही नियुक्त किया गया, शेष नियुक्तियां वेतन समानता के आधार पर की गईं। उन्होंने कहा कि इंजीनियर जैसे अधिकारी एसआईआर के तहत न्यायिक निर्णयों को संभालने के लिए उपयुक्त नहीं हैं, जिन्हें अपीलीय अधिकारियों के समक्ष चुनौती दी जा सकती है। सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की भूमिका पर भी सवाल उठे। वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने तर्क दिया कि मतदाताओं के नामों को बड़े पैमाने पर हटाना सूक्ष्म पर्यवेक्षकों के माध्यम से संभव नहीं है, खासकर इस प्रक्रिया के व्यापक पैमाने को देखते हुए। मामले की तात्कालिकता पर जोर देते हुए दीवान ने अदालत को सूचित किया कि एसआईआर प्रक्रिया 14 फरवरी को समाप्त होने वाली है। हालांकि, अदालत ने उसी सुनवाई के दौरान एसआईआर डेटा को अंतिम रूप देने की समय सीमा एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी।

पीएम मोदी हिम्मत दिखाएं, राहुल गांधी बोले- मेरे गलवान वाले बयान से डरे हुए हैं प्रधानमंत्री

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि विपक्षी सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को धमकी देने का कोई सवाल ही नहीं उठता, लेकिन उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के संस्मरण का हवाला देते हुए 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर दिए गए अपने बयान के कारण सदन में आने से 'डर' रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि सरकार ने सदन को स्थगित कर दिया क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि वह इस मुद्दे को संसद में उठाएं। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने दावा किया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में झूठ बोला है, क्योंकि नरवणे का संस्मरण प्रकाशित हो चुका है और उनकी प्रति उनके पास है। उत्तर प्रदेश

के रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद गांधी ने कई विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर सरकार की आलोचना भी की। गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री सदन में आने से डर रहे थे, सदस्यों की वजह से नहीं, बल्कि मेरी बातों की वजह से। वे अब भी डरे हुए हैं क्योंकि वे सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। हमारे सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री पर हमला करने का तो सवाल ही नहीं उठता। उन्हें आने का साहस दिखाना चाहिए। गांधी ने आगे कहा कि मैंने यह भी कहा था कि अगर कोई कहता है कि वह प्रधानमंत्री पर हमला करने जा रहा है, तो कृपया तुरंत एफआईआर दर्ज करें। उस व्यक्ति को गिरफ्तार करें। आप ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? तो असल में यही हुआ है। गांधी ने कहा कि पूरा विपक्ष संसद में चर्चा करने को उत्सुक है, लेकिन इसके लिए सरकार को उनकी शर्तें माननी होंगी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे दावा किया कि सरकार अमेरिका के साथ हाल ही में हुए व्यापार समझौते के कारण केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि मेरा अनुमान है कि सरकार बजट पर बहस करने से चिंतित है क्योंकि अमेरिका के साथ हुए समझौते, उसके तरीके, उसके परिणामों और किसानों पर उसके प्रभाव पर चर्चा होने वाली है, और सरकार ऐसा नहीं चाहती। इससे पहले दिन में, सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध के कारण लोकसभा को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया, क्योंकि विपक्ष ने मांग की थी कि केंद्रीय बजट पर चर्चा शुरू होने से पहले गांधी को सदन में बोलने की अनुमति दी जाए।

अजीत डोभाल के दौरे से भारत कनाडा रिश्तों में आई नई गर्माहट, दोनों देश मिलकर सिखाएंगे खालिस्तानियों को सबक

नई दिल्ली एजेंसी: भारत और कनाडा के रिश्तों में पिछले कुछ समय से चला आ रहा तनाव अब कम होता दिख रहा है। इस बदलाव के केंद्र में हैं भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की हालिया कनाडा यात्रा, जिसने दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को नई दिशा दी है। यह यात्रा भरोसे की फिर से स्थापना और साझा हितों पर आगे बढ़ने का स्पष्ट संकेत थी। हम आपको बता दें कि अजित डोभाल ने ओटावा में कनाडा के शीर्ष सुरक्षा और नीति अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। इन बैठकों में दोनों देशों ने एक साझा कार्य योजना पर सहमति जताई जिसका मकसद सुरक्षा और कानून प्रवर्तन सहयोग को मजबूत करना है। तय हुआ कि दोनों देश अपने सुरक्षा और कानून प्रवर्तन तंत्र के बीच सीधा संपर्क बढ़ाएंगे, लायजन अधिकारी तैनात करेंगे और सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान सुनिश्चित करेंगे। बातचीत के प्रमुख विषयों में साइबर सुरक्षा, संगठित अपराध, ड्रग तस्करी,

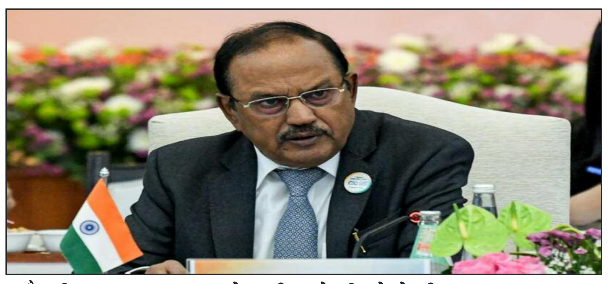

अवैध वित्त प्रवाह, आव्रजन से जुड़ी धोखाधड़ी और ट्रांसनैशनल अपराध शामिल रहे। खास जोर इस बात पर रहा कि नई तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर अपराध करने वाले नेटवर्क से मिलकर निपटा जाए। कनाडा की ओर से यह भी संकेत दिया गया कि उसकी जमीन का उपयोग किसी भी तरह की हिंसक अलगाववादी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। यह बात भारत के लिए खास मायने रखती है, क्योंकि लंबे समय से भारत कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी तत्वों को लेकर चिंता जताता रहा है। गौरतलब है कि 2023 में एक खालिस्तानी उग्रवादी की हत्या के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तीखा तनाव आया था। आरोप और प्रत्यारोप चले, राजनयिक स्तर पर कड़वाहट बढ़ी और भरोसे में कमी आई। ऐसे माहौल में डोभाल की यह यात्रा एक भरोसा बहाल करने वाला कदम मानी जा रही है। अब संकेत साफ हैं कि दोनों देश मतभेदों को पीछे छोड़कर व्यावहारिक सहयोग की राह पर चलना चाहते हैं। आने वाले समय में व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी रिश्तों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कनाडा के प्रधानमंत्री की प्रस्तावित भारत यात्रा को भी इसी क्रम में देखा जा रहा है, जो इस नई समझ को और मजबूती दे सकती है।

बेंगलुरु मेट्रो पर बीजेपी-कांग्रेस आमने-सामने, तेजस्वी सूर्या हिरासत में, मंत्री ने दी नसीहत

नई दिल्ली एजेंसी: कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को मेट्रो किराया वृद्धि के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उन्हें बेंगलुरु के जयनगर मेट्रो स्टेशन के पास प्रदर्शन करने के बजाय फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन करने के लिए कहा गया था। पत्रकारों से बात करते हुए, जी परमेश्वर ने केंद्र से मेट्रो किराए पर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ के बजाय सामूहिक निर्णय लेने का आग्रह किया। कर्नाटक के मंत्री ने कहा कि हमने उन्हें हिरासत में लिया और फिर रिहा कर दिया, क्योंकि वे कुछ विरोध प्रदर्शन और मुद्दे पैदा कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें उसी स्थान के बजाय फ्रीडम पार्क में वही विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहा था। इसलिए उन्हें एहतियाती हिरासत में लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी सूर्या को मेरा बस यही सुझाव है कि वे कम से कम इन सभी पहलुओं पर गौर करें। केंद्र सरकार को हमें कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं मुहैया करानी होंगी। जो भी वैध धनराशि हमें मिलनी चाहिए, वह मिलनी चाहिए। यह परियोजना भारत सरकार और कर्नाटक सरकार दोनों द्वारा चलाई जा रही है। हमें मिलकर काम करना होगा।

एक-दूसरे पर आरोप लगाना उचित नहीं है। जब भी किराए में वृद्धि होती है, मुझे लगता है कि यह सामूहिक निर्णय होना चाहिए। अब ये होड़ क्यों चल रही है? आज सुबह, तेजस्वी सूर्या को बेंगलुरु के जयनगर मेट्रो स्टेशन के पास पुलिस ने हिरासत में लिया और बाद में रिहा कर दिया। उन्होंने वहां कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रस्तावित मेट्रो किराए में वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन करने का प्रयास किया था।

मोहन भागवत ने क्यों कहा, "बीजेपी के अच्छे दिन आरएसएस की वजह से आये"?

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई में दिए अपने संबोधन में ऐसे कई मुद्दों पर विचार रखे जिनका असर राजनीति, समाज और जनचर्चा, तीनों पर देखा जा रहा है। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने भाजपा, समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी, संघ के नेतृत्व, जाति के सवाल और हिंदुत्व और सनातन संस्कृति तक पर खुलकर विचार रखे। उनके वक्तव्य को संघ और भाजपा के रिश्तों के संदर्भ में खास महत्व दिया जा रहा है। सबसे अधिक चर्चा उस बात की रही जिसमें भागवत ने कहा कि भाजपा के अच्छे दिन संघ के लंबे समय से चल रहे काम और सहयोग की वजह से आए हैं, यह नहीं कि संघ को भाजपा से अच्छे दिन मिले। उन्होंने साफ कहा कि संघ ने समाज में संगठन, विचार और कार्यकर्ता तैयार करने का काम दशकों से किया है। जब कोई राजनीतिक दल उन विचारों के साथ खड़ा होता है और समाज

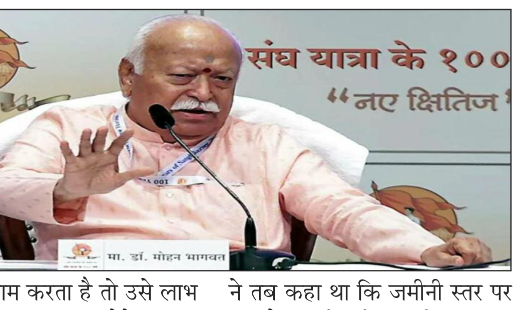

के बीच काम करता है तो उसे लाभ मिलता है। इस तरह उन्होंने भाजपा की सफलता के पीछे संघ की बुनियादी भूमिका को रेखांकित किया। उनका यह बयान इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए संघ पर निर्भर नहीं है। उस समय इस बयान को भाजपा की आत्मनिर्भर छवि गढ़ने की कोशिश के रूप में देखा गया था। लेकिन लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। कई राजनीतिक जानकारों ने तब कहा था कि जमीनी स्तर पर संघ के कार्यकर्ता तंत्र की सक्रियता पहले जैसी नहीं दिखी। हालांकि बाद में संबंधों में सुधार देखा गया और गलतफहमी दूर कर संघ और भाजपा ने ऐसा समन्वय बनाया कि तब से अधिकांश विधानसभा चुनावों में भाजपा को शानदार जीत मिली है। ऐसे माहौल में भागवत का यह कहना कि भाजपा के अच्छे दिन संघ के सहयोग से आए, एक तरह से नड्डा के बयान का अप्रत्यक्ष जवाब माना जा रहा है। यह एक तरह से संदेश भी है कि संघ और भाजपा का रिश्ता केवल औपचारिक नहीं बल्कि गहरे सामाजिक आधार पर टिका है।

फिर हंगामे की भेंट चढ़ी लोकसभा की कार्यवाही, राज्यसभा में बजट पर चर्चा

नई दिल्ली एजेंसी: सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी की इस मांग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ था कि केंद्रीय बजट पर चर्चा शुरू होने से पहले उन्हें बोलने की अनुमति दी जाए। इस बीच, राज्यसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा शुरू हो चुकी है। पिछले सप्ताह, लोकसभा ने प्रधानमंत्री के पारंपरिक उत्तर के बिना, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के साथ-साथ सदन द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपना भाषण देने की अनुमति न दिए जाने के विरोध में विपक्ष के मुखर विरोध के बीच, ध्वनि मत से धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। वहीं, संसद के दोनों सदनों में पिछले सप्ताह शुक्रवार को अंडर-19 क्रिकेट विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम को सोमवार को बधाई दी गई। लोकसभा की कार्यवाही लोकसभा में बजट पर चर्चा से पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अन्य विषय पर आसन से बोलने की अनुमति नहीं मिलने के बीच कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में दावा किया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें बजट पर चर्चा शुरू करने से

पहले अपनी बात रखने की अनुमति देने का वादा किया है, वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस नेता की बात शत-प्रतिशत सही नहीं है और अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता से कहा था कि पहले वह विषय बताएं जो वह सदन में उठाना चाहते हैं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और उन्हें उन मुद्दों से अवगत कराया जिन्हें वे सदन में उठाना चाहते हैं। यह बैठक कुछ ही मिनट चली। यह उस समय हुई जब

पिछले सप्ताह, लोकसभा ने प्रधानमंत्री के पारंपरिक उत्तर के बिना, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के साथ-साथ सदन द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपना भाषण देने की अनुमति न दिए जाने के विरोध में विपक्ष के मुखर विरोध के बीच, ध्वनि मत से धन्यवाद

लोकसभा में बजट पर चर्चा से पहले राहुल गांधी को अन्य विषय पर आसन से बोलने की अनुमति नहीं मिलने के बीच कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस ने विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की तैयारी संबंधी खबरों को लेकर सोमवार को कहा कि ह्यकार्रवाई का इंतजार कीजिए।ह्व पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह भी आरोप लगाया कि अब सदन में विपक्ष के लिए कोई जगह नहीं रह गई है। राज्यसभा की कार्यवाही राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने घटते पूंजीगत व्यय पर चिंता जताते हुए कहा कि आम बजट 2026-27 में इसे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं किया गया है तथा यह एक ऐसा बजट है जिसे भुला दिया जाना चाहिए। उच्च सदन में चिदंबरम ने बजट 2026-27 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार ने पूंजीगत व्यय में कटौती है। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने बजट में आवंटित धन पर सवाल उठाते हुए रक्षा, विज्ञान, सामाजिक कल्याण और शहरी विकास में कटौती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कई योजनाओं की घोषणा की गई, लेकिन उनका आवंटन कम था या घोषित ही नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि यह बजट सतर्क, कंजूस और बीते साल की अनदेखी करने वाला है,

और यह जल्द ही गायब हो जाएगा। राज्यसभा में सोमवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने की अनुमति न मिलने के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया।

संपादकीय

किसानों की आशंकाएं

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतः कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं। इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए। अन्यथा, सुधारों की कहानी एक बार फिर देश के अन्नदाता की चिंताओं को दूर करने में विफल रहेगी। इसी तरह देश के सेब उत्पादकों को भी आश्वस्त करना होगा कि उनके सेब की खुशबू बरकरार रहेगी।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापक और न्यायकारी ईश्वर

ईश्वर का दंड एवं उपहार दोनों असाधारण हैं। इसलिए आस्तिक को सदा ध्यान रहेगा कि दंड से बचा जाए और उपहार प्राप्त किया जाए।

यह प्रयोजन छुटपुट पूजा-अर्चना, जप-ध्यान से पूरा नहीं हो सकता। यह भावनाओं और क्रियाओं को उत्कृष्टता के सांचे में ढालने से ही पूरा होता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता। अपना गुणगान करने वाले के साथ यदि वह पक्षपात करने लगे, तब उसकी न्याय व्यवस्था का कोई मूल्य न रहेगा, सृष्टि की सारी व्यवस्था ही गड़बड़ा जाएगी। सबको अनुशासन में रखने वाला परमेर स्वयं नियम व्यवस्था में बंधा है। यदि वह उच्छृंखलता व अव्यवस्था बरतेगा तो फिर उसकी सृष्टि में पूरी तरह अंधेरा फैल जाएगा। फिर कोई उसे न तो न्यायकारी कहेगा और न समदर्शी। भगवान को हम सर्वव्यापक व न्यायकारी समझकर ईश्वर के दंड से डरें। उसका भक्त वत्सल ही नहीं, रौद्र रूप भी है, जो रुग्ण, मूक, बधिर, अंध, अपंगों की दशा देखकर सहज समझा जा सकता है। केवल बंशी बजाने वाले और रास रचाने वाले ईश्वर का ही ध्यान न रखें। उसका एक त्रिशूलधारी रूप भी है, जो दुरात्माओं का दमन व मर्दन करता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर को भी भक्त-अभक्त, प्रशंसक-निंदक का भेद किए बिना व्यक्ति के शुभ-अशुभ कर्मो का दंड या पुरस्कार देना होता है। उपासना का उद्देश्य ईश्वर से अनुचित पक्षपात करना नहीं होना चाहिए। वह हमें सत्प्रवृत्तियों में संलग रहने और सत्पथ से विचलित न होने की दृढ़ता प्रदान करे। यही ईश्वर की कृपा का सर्वश्रेष्ठ चिह्न है। आस्तिक या नास्तिक की पहचान तिलक, जनेऊ, कंठी, माला आदि के आधार पर नहीं, वरन भावनात्मक व क्रियात्मक गतिविधियों को देखकर ही होती है। आस्तिक की मान्यता प्राणिमात्र में ईश्वर की उपस्थिति देखती है। इसलिए उसे हर प्राणी के साथ उदारता, आत्मीयता व सेवा सहायता भरा व्यवहार करना पड़ता है। भक्ति का अर्थ है- प्रेम। जो प्रेमी है, वह अपने क्रियतम को सर्वव्यापक देखेगा और सभी से सौम्यतापूर्ण व्यवहार कर भक्ति भावना का परिचय देगा। ईश्वर दर्शन का यही रूप है। हर चर-अचर में छिपे परमात्मा को जो अपनी ज्ञान दृष्टि से देख सका और तदनुरूप कर्त्तव्य निर्धारण कर सका, मानना चाहिए, उसे ईश्वर दर्शन का लाभ मिल गया। अपने में परमेर और परमेर में अपने को देखने की दिव्य दृष्टि जिसे मिल गई, समझो उसने पूर्णता का जीवन लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

लोकतंत्र के सर्वोच्च आसन पर उठते सवाल

सनत जैन

लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। यह वह आसन है, जो सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है। संविधान में परिभाषित है। लोकसभा का अध्यक्ष और राज्य सभा का सभापति पार्टीगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन का संचालन करेगा। दोनों ही सदन में सभी सदस्यों के हितों के संरक्षण की जिम्मेदारी अध्यक्ष और सभापति की होती है। हालिया घटनाक्रम ने इसी धारणा को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी करना कोई साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। पिछले कई सत्रों से लोकसभा में विपक्ष आरोप लगाता रहा है, उन्हें सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। बोलने के पहले तरह-तरह से उन्हें रोका जा रहा है। सदन के अंदर सदस्यों को बोलने की जो स्वतंत्रता थी, उसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बाधित किया जा रहा है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जैसे संवैधानिक और परंपरागत अवसर पर भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न मिलना वहीं सत्ता पक्ष के एक सदस्य को बोलने का अवसर दिया गया। इसने असंतोष को आर और पार की लड़ाई में लाकर खड़ा कर दिया है। विपक्ष का कहना है कि सत्ता पक्ष को खुली छूट दी जाती है। जबकि विपक्ष को सवालों ओर नियमों का हवाला देकर बोलने नहीं दिया जाता है। विपक्ष यह कहने से नहीं चूक रहा है, कि आसंदी द्वारा सत्ता पक्ष के लिए अलग, विपक्ष के साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष का यह तर्क कि 'सदन नियम और परंपरा से चलेगा' अपने आप में सही है, लेकिन सवाल यह है, कि क्या ये नियम सबके लिए समान रूप से लागू हो रहे हैं? पिछले 10 वर्षों में विपक्ष द्वारा जब भी कोई स्थगन प्रस्ताव अध्यक्ष को दिया गया, किसी को मंजूरी नहीं दी गई। जबकि परंपराएं और लोकसभा की कार्यवाही में ऐसे दर्जनों उदाहरण हैं जहां पर विपक्ष को स्थगन प्रस्ताव में बोलने का अवसर दिया गया। जब सत्ता पक्ष कांग्रेस को 'गद्दार' कहता है, तब वह सदन की मयार्दा है? और जब विपक्ष उसका जवाब देना चाहता है, तब उसे 'आउट ऑफ प्रोसीडिंग' बताकर रोक दिया जाता है। तो यह किस तरह की निष्पक्षता है? विपक्ष का आरोप है कि अध्यक्ष का व्यवहार निष्पक्ष एवं मध्यस्थता वाला नहीं है। ऐसा स्पष्ट रूप से दिख रहा है। आसंदी का व्यवहार सत्ता पक्ष के रक्षक का है। पिछले वर्षों में जिस तरह से बिल और कानूनों को बिना किसी चर्चा के हो हल्ले में पास कर दिया गया। यही कारण है कि विपक्ष ने अब अविश्वास प्रस्ताव जैसा असाधारण कदम उठाने का मन बनाया है। पिछले 76 सालों में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तीन बार लाया गया है। चौथी बार ऐसी स्थिति बनना अपने आप में असाधारण और चिंताजनक है। संविधान के अनुसार, अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ लिखित नोटिस आवश्यक होता है। यह प्रस्ताव तभी लाया जाता है जब विपक्ष यह मान ले कि अध्यक्ष सदन की निष्पक्षता बनाए रखने में असफल हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर एकमत हैं। महिला सांसदों ने भी लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी नाराजी जताई है। जो यह दशार्ता है, असंतोष केवल एक दल अथवा एक वर्ग तक सीमित नहीं है। इस पूरे विवाद का सबसे गंभीर पहलू यह है, पिछले कई वर्षों में सदन के सत्र छोटे होते जा रहे हैं। संसद की कार्यवाही बार-बार ठप्प होना अब सामान्य हो गया है। इसका लाभ उठा कर सत्ता पक्ष बिल पास कर लेती है। बजट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय बार-बार कार्यवाही स्थगित होना, अध्यक्ष द्वारा सत्ता पक्ष और विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया जाता है। जबकि नियमों के अनुसार विपक्ष की आवाज को अध्यक्ष का संरक्षण मिलना चाहिए। आसंदी की इस कार्रवाई से लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करता है। इतिहास गवाह है, जब-जब अध्यक्ष ने निष्पक्षता दिखाई, तब-तब विपक्ष ने भी मयार्दा का पालन किया है। जब कुर्सी की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ता है। वर्तमान में स्थिति यहां तक पहुंच गई है, अध्यक्ष का आसन राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। वर्तमान स्थिति केवल ओम बिरला या लोकसभा अध्यक्ष के पद या बजट सत्र की नहीं है, यह उस संविधान एवं लोकतांत्रिक परंपरा की परीक्षा है जिसे भारत के संसदीय लोकतंत्र ने कई दशकों में गढ़ा गया है। यदि अध्यक्ष की निष्पक्षता पर विश्वास उठता है, तो केवल विपक्ष नहीं, पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संविधान भी कमजोर होता है। आवश्यकता इस बात की है, लोकसभा अध्यक्ष अपने पद की गरिमा को पुनः स्थापित करें। सत्ता और विपक्ष, दोनों के लिए समान नियम और समान अवसर सुनिश्चित करें। विपक्ष के पास बहुमत नहीं होता है इसलिए उसे संरक्षण की जरूरत होती है। सत्ता पक्ष की दादागिरी से अध्यक्ष ही विपक्ष को संरक्षण दे सकता है। लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं, बल्कि संवाद और विश्वास के सहारे चलता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर आवाम की आवाज को सदन में लेकर आते हैं। सत्ता पक्ष से ज्यादा वोट विपक्ष के पास होते हैं। विपक्ष बटा हुआ होता है, इसलिए सत्ता पक्ष राज करता है। सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोकसभा अध्यक्ष को इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है। लोकसभा के अध्यक्ष भले बहुमत से चुने जाते हों, लेकिन अध्यक्ष चुने जाने के बाद सभी सदस्यों के अध्यक्ष होते हैं।

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

योगेश कुमार गोयल

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम 'विश्व की दलहनः सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं। दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं। पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है। तेजी से बढ़ती आबादी, कुपोषण और जलवायु अस्थिरता के बीच दालें सस्ती, सुलभ और पोषण से भरपूर समाधान प्रस्तुत करती हैं। भूखमुक्त समाज, बेहतर स्वास्थ्य और टिकाऊ विकास जैसे वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में इनका योगदान प्रत्यक्ष और प्रभावी है। भारत में विश्व दलहन दिवस का महत्व केवल एक वैश्विक तिथि तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह देश की कृषि परंपरा, पोषण दृष्टि और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ जाता है। भारत न केवल विश्व के प्रमुख दलहन उत्पादक और उपभोक्ताओं में अग्रणी है बल्कि यहां की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-चावल, दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल, सुलभ और पौष्टिक भोजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य, सादगी और सहजीवन के प्रतीक रहे हैं। दलहन केवल थाली की शोभा नहीं बल्कि पोषण सुरक्षा की मजबूत आधारशिला हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, खनिज और सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कुपोषण से लड़ने और स्वास्थ्य सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। विशेषकर शाकाहारी आबादी के लिए दालें सस्ती, टिकाऊ और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत हैं। कुल मिलाकर, यह दिवस किसानों के लिए भी नई संभावनाओं का द्वार खोलता है। दलहन आधारित फसल चक्र अपनाने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, नाइट्रोजन स्थिरीकरण के कारण रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। परिणामस्वरूप किसानों की लागत कम होती है और आय में स्थिरता आती है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन के दौर में दलहन खेती पर्यावरण के अनुकूल समाधान प्रस्तुत करती है। उपभोक्ताओं के लिए यह अवसर अपने भोजन विकल्पों पर पुनर्विचार करने का संदेश देता है, अधिक पौध आधारित, स्थानीय और पोषण-संपन्न आहार की ओर लौटने का आह्वान। दालें यह सिद्ध करती हैं कि सादगी में भी उत्कृष्टता छिपी होती है। यदि नीति-निमार्ता, किसान और उपभोक्ता मिलकर दलहनों को प्राथमिकता दें तो स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था, तीनों को एक साथ मजबूती मिल सकती है। सच यही है कि छोटे-छोटे बीज मिलकर एक सुरक्षित, स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य की नींव रखते हैं।

आखिर क्यों चर्चा में है खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन

इन दिनों राजस्थान में खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन खास चर्चा में है। दरअसल, खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन राजस्थान के राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' के संरक्षण के लिए चलाया जा रहा एक जन-आंदोलन है। वास्तव में यह आंदोलन सोलर कंपनियों द्वारा पेड़ों की कटाई के कारण चर्चा में आया। आंदोलनकारियों का आरोप है कि राजस्थान के बीकानेर और आसपास के इलाकों में सोलर पावर प्रोजेक्ट्स स्थापित करने के लिए कंपनियां बड़े पैमाने पर खेजड़ी के पेड़ों की कटाई कर रही हैं। यह भी आरोप लगाया गया कि पकड़े जाने के डर से पेड़ों को रात के अंधेरे में काटकर जमीन में दबा दिया जाता है।

आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें स्पष्ट हैं। वे पूरे राजस्थान में खेजड़ी की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध चाहते हैं। इसके साथ ही राज्य में एक प्रभावी 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लागू करने की मांग की जा रही है, जिसमें अवैध कटाई पर भारी जुमार्ने (रू.1 लाख तक) और जेल की सजा का प्रावधान हो। आंदोलनकारियों का यह भी कहना है कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ऐसी जमीनों का ही आवंटन किया जाए, जहां पहले से हरे-भरे पेड़ मौजूद न हों।

यहां पाठकों को बताना जरूरी है कि इस आंदोलन की मुख्य और प्रभावी शुरूआत हाल ही में 2 फरवरी 2026 को राजस्थान के बीकानेर जिले से हुई। हालांकि बीकानेर कलेक्ट्रेट और करणीसर भाटियान क्षेत्र में पिछले लगभग एक महीने से शांतिपूर्ण धरने और प्रदर्शन चल रहे थे, लेकिन फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में इसे 'महा-आंदोलन' का रूप मिला।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में हजारों पर्यावरण प्रेमियों, संतों और बिश्नोई समाज के लोगों का विशाल 'महापड़ाव' शुरू हुआ। इस दिन बीकानेर के बाजार पूरी तरह बंद रहे और स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। इसके अगले दिन, 3 फरवरी 2026 को, कलेक्ट्रेट के सामने 363 संतों और पर्यावरण प्रेमियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर 'आमरण अनशन' प्रारंभ किया। यह संख्या ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान की स्मृति में प्रतीकात्मक रूप से चुनी गई थी।

मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 5 और 6 फरवरी 2026 को आंदोलन के बढ़ते दबाव के बीच राज्य के उद्योग मंत्री के.के. बिश्नोई धरना स्थल पर पहुंचे। सरकार की ओर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में खेजड़ी की कटाई पर तत्काल लिखित प्रतिबंध लगाने तथा विधानसभा में सख्त 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लाने के आश्वासन के बाद आमरण अनशन समाप्त किया गया।

यह भी उल्लेखनीय है कि इस जन-आंदोलन का मुख्य केंद्र बीकानेर रहा, लेकिन इसकी गूंज पूरे पश्चिमी राजस्थान(जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर) में विशेष रूप से सुनाई दी। इस आंदोलन में न केवल राजस्थान, बल्कि हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आंदोलन को पूर्व मुख्यमंत्रियों वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत तथा हनुमान बेनीवाल जैसे प्रमुख नेताओं का भी समर्थन मिला, जिससे यह आंदोलन एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभरा।

फिलहाल आमरण अनशन समाप्त हो चुका है, लेकिन आंदोलनकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक विधानसभा में कानून पारित नहीं हो जाता, तब तक उनका प्रतीकात्मक धरना यानी 'महापड़ाव' जारी रहेगा। उनकी मांग है कि खेजड़ी कटाई पर लगाया गया प्रतिबंध पूरे राजस्थान में प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

यहां पाठकों को यह भी बताना आवश्यक है कि खेजड़ी संरक्षण का इतिहास राजस्थान की मिट्टी में गहराई से जुड़ा हुआ है। अमृता देवी बिश्नोई के नेतृत्व में वर्ष 1730 ईस्वी में 363 लोगों ने हरे पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। इन बलिदानियों में 69 महिलाएं और 294 पुरुष शामिल थे। खेजड़ली (जोधपुर) का यह बलिदान, वर्ष 1730 ईस्वी (विक्रम संवत 1787) में घटित, विश्व इतिहास की सबसे महान पर्यावरण संरक्षण घटनाओं में गिना जाता है। यह पेड़ों की रक्षा के लिए दिया गया पहला और सबसे बड़ा सामूहिक बलिदान माना जाता है।

इतिहास बताता है कि जोधपुर के तत्कालीन महाराजा अभय सिंह को अपने नए महल के निर्माण हेतु चूना पकाने के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की आवश्यकता थी। इसके लिए उनके कारिंदे गिरधारी दास सैनिकों के साथ खेजड़ली गांव पहुंचे और खेजड़ी के हरे पेड़ों को काटने लगे। इसका अमृता देवी बिश्नोई ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने सैनिकों को चुनौती देते हुए ऐतिहासिक नारा दिया-सिर साठे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाण। अर्थात यदि सिर कटने के बाद भी एक पेड़ बचता है, तो यह सौदा भी सस्ता ही समझा जाना चाहिए।

पेड़ों को बचाने के लिए अमृता देवी सबसे पहले खेजड़ी के पेड़ से लिपट गईं। सैनिकों ने पेड़ के साथ उन्हें भी काट दिया। उनके बाद उनकी तीन बेटियां-आसू, रत्नी और भागू-और फिर उनके पति ने भी अपने प्राणों की आहुति दी। यह दृश्य देखकर पूरे गांव और आसपास के 84 गांवों के लोग उमड़ पड़े और एक-एक करके पेड़ों से लिपटते चले गए।

जब महाराजा अभय सिंह को इस भीषण नरसंहार की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत पेड़ों की कटाई रुकवाई और भविष्य के लिए एक ताम्रपत्र यानी राजकीय आदेश जारी किया, जिसमें बिश्नोई बहुल क्षेत्रों में कभी भी हरे पेड़ न काटे जाने का निर्देश दिया गया।

यह भी उल्लेखनीय है कि आधुनिक काल का 'चिपको आंदोलन', जिसके प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा थे, इसी खेजड़ली बलिदान से प्रेरित माना जाता है। भारत सरकार और राजस्थान सरकार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अमृता देवी के नाम पर 'अमृता देवी वन्य जीव पुरस्कार' (राष्ट्रीय पुरस्कार) भी प्रदान करती हैं। खेजड़ली गांव में आज भी एक भव्य शहीद स्मारक स्थित है, जहां हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल दशमी को विश्व का एकमात्र 'वृक्ष मेला' आयोजित किया जाता है।

अंत में यह कहना उचित होगा कि खेजड़ी का केवल पर्यावरणीय ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व भी है। यह आंदोलन केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्थान की संस्कृति और आस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है। खेजड़ी राजस्थान का राज्य वृक्ष है, जिसका वैज्ञानिक नाम 'प्रोसोपिस सिनेरेरिया' है। इसे 'रेगिस्तान का कल्पवृक्ष' कहा जाता है और यह थार मरुस्थल की पारिस्थितिकी की रीढ़ की हड्डी मानी जाती है।

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार ने 31 अक्टूबर 1983 को खेजड़ी को राज्य वृक्ष घोषित किया था। इसका उद्देश्य थार मरुस्थल के पारिस्थितिकी तंत्र में इसके महत्व को देखते हुए इसके संरक्षण को बढ़ावा देना था। यदि हम खेजड़ी वृक्षों से जुड़े आंकड़ों की बात करें, तो सरकार या किसी अन्य विश्वसनीय स्रोत द्वारा राज्य में खेजड़ी के कुल वृक्षों की वर्तमान आधिकारिक संख्या का कोई विस्तृत और ताजा डेटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। हालांकि कुछ हालिया रिपोर्टों और विधायकों के बयानों से इसकी स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार राजस्थान विधानसभा में एक स्थानीय विधायक ने यह बयान दिया कि पश्चिमी राजस्थान में पिछले 15 वर्षों में लगभग 26 लाख से अधिक खेजड़ी के पेड़ काटे जा चुके हैं और भविष्य में करीब 50 लाख खेजड़ी पेड़ों की कटाई की तैयारी बताई जा रही है। ये आंकड़े इस बात का संकेत देते हैं कि हजारों से लाखों की संख्या में खेजड़ी वृक्ष अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका अस्तित्व गंभीर खतरे में है।

हालांकि, यहां राहत की बात यह है कि खेजड़ी संरक्षण के प्रयास भी जारी हैं। इसी क्रम में पाठकों को जानकारी देना आवश्यक है कि एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र के अनुसार राज्य में सोलर ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2028 तक 10 लाख (एक मिलियन) नए खेजड़ी वृक्ष लगाने का लक्ष्य घोषित किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में खेजड़ी की कुल संख्या बढ़ाना है।

आज भी पश्चिमी राजस्थान में लाखों खेजड़ी के पेड़ मौजूद हैं, लेकिन बड़ी संख्या में इन्हें काटा जा चुका है और भविष्य में कटाई की आशंका भी बनी हुई है। वास्तव में खेजड़ी बचाओ आंदोलन राजस्थान में खेजड़ी वृक्ष के संरक्षण के लिए चल रहा एक पर्यावरणीय और सामाजिक आंदोलन है। इसका मूल कारण खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई और उससे हो रहे पर्यावरणीय नुकसान के खिलाफ जन-आक्रोश है। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग कानूनी सुरक्षा और प्रभावी रोक की है। सामाजिक और राजनीतिक समर्थन, आमरण अनशन तथा सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों के कारण यह आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में बना हुआ है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि खेजड़ी केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि मरुस्थल की जीवनरेखा है। इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अनिवार्य है। वास्तव में खेजड़ी ही नहीं, सभी वृक्षों का संरक्षण संभव है और इसमें असंभव कुछ भी नहीं है। इसके लिए सबसे पहले अंधाधुंध कटाई पर सख्त रोक लगाना आवश्यक है। खाली पड़ी सरकारी भूमि, खेतों की मेड़ों और सड़कों के किनारे बड़े पैमाने पर खेजड़ी के नए पौधे लगाने का अभियान चलाया जाना चाहिए। नए पौधों के रोपण को प्राथमिकता देनी होगी। इसके साथ ही स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में खेजड़ी संरक्षण के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। खेजड़ी को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों, जैसे 'ग्लोबोटर्म्स' (दीमक), और विभिन्न रोगों से बचाने के लिए कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार उचित जैविक उपचार किए जाने चाहिए। खेजड़ली बलिदान से प्रेरणा लेकर समुदाय को संगठित करना और संरक्षण के प्रयासों को बिश्नोई पंथ जैसी परंपराओं से जोड़ना भी अत्यंत आवश्यक है। इसके अतिरिक्त पशु चराई पर नियंत्रण जरूरी है। खेजड़ी की वृद्धि दर बढ़ाने और इसे जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए उन्नत बीजों और आधुनिक तकनीकों पर शोध किया जाना चाहिए। खेजड़ी के आसपास जल संचयन की पारंपरिक विधियों, जैसे टांका और खडीन, को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि सूखे के समय भी इन पेड़ों को पर्याप्त नमी मिल सके।अति-दोहन पर रोक लगाने के साथ-साथ खेजड़ी संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और पंचायतों को पुरस्कार और आर्थिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए। यदि हम पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के प्रति सचेत और जागरूक रहेंगे, तो इसमें कोई संदेह नहीं कि हम वृक्षों को बचाने में सफल हो सकते हैं।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कलेक्ट्रेट पर भाकियू शंकर ने मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर को सौंपा मांग पत्र

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट पर सोमवार को चौधरी विक्रम पवार की अध्यक्षता व प्रदेश प्रवक्ता सत्यवीर सिंह के संचालन में भारतीय किसान यूनियन शंकर का किसानों के विभिन्न समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन कलेक्ट्रेट पर हुआ जिसको संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने के दावे जमीनी हकीकत में पूरे होते नजर नहीं आ रहे हैं। प्रदेश में विभागीय भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है चकबंदी विभाग चकबंदी ना करके लूटबंदी कर रहा है मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना करते हुए जनपद में मनमानी करने पर उतारू है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है, वहीं खाद, बीज, बिजली और डीजल की बढ़ती कीमतों ने खेती को घाटे का सौदा बना दिया है। गन्ना घटतौली लगातार हो रही है , फसल

बीमा और मुआवजा न मिलने से किसान गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है,आवारा पशुओं से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है, लेकिन प्रशासन द्वारा इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है। किसानों ने आरोप लगाया कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंद किसानों तक नहीं पहुँच पा रहा है। संगठन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर कई गंभीर मुद्दों का समाधान करने की मांग की है। संगठन ने जिला अधिकारी अमरोहा को भी इस संबंध में अवगत कराया है।संगठन ने विशेष रूप से कुछ मांगें रखी। जिसमें चकबंदी प्रक्रिया को समाप्त किया जाए और किसानों की जमीन की वास्तविक स्थिति को अभिलेखों में सही ढंग से दर्ज किया जाए। मुरादाबाद मंडल के चक्कालीलेट लेट हाल्ट पर फाटक संख्या 11/C पर अंडरपास नए बनाकर ओवर ब्रिज बनाया जाए। शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं आशा व सफाई कर्मियों को न्यूनतम

वेतन 30,000 रुपये प्रतिमाह प्रदान किया जाए। गन्ना विकास सहकारी समितियों को नाबार्ड में पंजीकृत कर किसानों को लाभान्वित किया जाए। जिला सहकारी बैंक बोर्ड का गठन शीघ्र किया जाए और ब्याज व ऋण प्रणाली में सुधार किया जाए। केसीसी की सीमा 5 लाख रुपये की जाए और बैंक द्वारा अवैध ब्याज वसूलना बंद किया जाए। गन्ना क्रय केंद्रों पर घटतौली रोकने हेतु कार्यवाही और निगरानी व्यवस्था लागू की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में रोडवेज बस सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डिडौली क्षेत्र में 132 केवीए विद्युत घर स्थापित किया जाए। अमरोहा विकास प्राधिकरण का गठन और गजरौला में ट्रॉमा सेंटर स्थापित किया जाए। जनपद की क्षतिग्रस्त सड़कों और संपर्क मार्गों का नवनिर्माण किया जाए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को ऐच्छिक बनाया जाए। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु अंडरपास पर रिफ्लेक्ट मिरर और अन्य सुरक्षा उपाय किए जाएं। धरना स्थल पर जिला गन्ना अधिकारी जिला कृषि अधिकारी डीडीएम नाबार्ड मुरादाबाद अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड अमरोहा कानून को चकबंदी के अलावा थाना अध्यक्ष अमरोहा देहात के साथ तमाम पुलिस फोर्स मौजूद रहा वार्ता के बाद कार्यकारिणी ने धरने को स्थगित करते हुए महाशिवरात्रि के बाद अगला कार्यक्रम किया जाएगा। इस दौरान वहां पर चौधरी धर्मवीर सिंह, चौधरी नेमपाल सिंह, वीर सिंह चौहान, लोकेश प्रधान अमित गुर्जर , समरपाल सैनी नैपाल सिंह ,मनोज कश्यप जयवीर सिंह वीरपाल सिंह, नकुल पवार डॉ अहमद राजा ,कावेंद्र सिंह, चौधरी वीरेंद्र सिंह, पप्पू उर्फ रवि, हरपाल सिंह ,गजराम चौहान, डॉ गौतम डॉक्टर, अर्पित महेश्वरी सुखबीर भगत जी मोजीरामपाल संजय चौहान अनिल कुमार ,बबीता ,हरवती ,प्रियंका भटनागर, नीतू देवी, रश्मि यादव रीना, संगीता रानी, अंजू रानी ,सीमा देवी, शिवांशी यादव, सहित हजारों किसान मौजूद रहे।

बछरायूं क्षेत्र में कैंटर की टक्कर से किसान की मौत,अज्ञात चालक पर केस दर्ज

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के बछरायूं थाना क्षेत्र में एक कैंटर की टक्कर से किसान की मौत हो गई। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि किसान सड़क पर पैदल चल रहा था जिसे एक तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई ।फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात कैंटर चालक के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर जांच में जुटी है। बता दें कि ग्राम मोहम्मदपुर पट्टी निवासी भूपेंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पिता सूरवीर सिंह रविवार रात करीब 10 बजे किसी काम से बाहर गए थे। गिल हॉस्पिटल के पास सामने से आ रहे एक कैंटर के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। इस टक्कर से सूरवीर सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद राहगीरों की सूचना पर एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया गया। सोमवार सुबह परिजनों को घटना की जानकारी मिली। मृतक के पुत्र भूपेंद्र सिंह ने बछरायूँ थाने में अज्ञात कैंटर चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी है। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात कैंटर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वाहन नंबर के आधार पर चालक की तलाश जारी है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना से मोहम्मदपुर पट्टी गांव में शोक का माहौल है।

अमरोहा कौशल महोत्सव में रोजगार का सुनहरा अवसर- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 12 फरवरी को शिव इंटर कॉलेज, गजरौला में अमरोहा कौशल महोत्सव के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने कहा कि अमरोहा कौशल महोत्सव में जयंत चौधरी केंद्रीय मंत्री, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार की गरिमा में उपस्थिति में संपन्न किया जाएगा। जिसमें 40 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियाँ भाग ले रही

हैं और विभिन्न योग्यताओं के अनुसार युवाओं को सीधे रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। महोत्सव की ओर से क्यू आर कोड जारी किया गया है, जिस पर रजिस्ट्रेशन करना है। उन्होंने कहा कि छात्रों को प्रेरित करें कि वे अपने गांव, पड़ोस, मित्रों व अन्य युवाओं को भी रजिस्ट्रेशन के लिए प्रेरित करें, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी का लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि यह युवाओं के लिए बेहतर नौकरी और उज्ज्वल करियर की शानदार शुरूआत हो सकती है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उपयुक्त उद्योग आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उद्दिमयो की समस्याओं का हो प्राथमिकता से निस्तारण- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय मासिक उद्योग बन्धु समिति की बैठक का आयोजन किया गया ।जिलाधिकारी ने उद्योग बंधुओं की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि उद्योग बंधुओं की किसी भी समस्या में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी प्राथमिकता के साथ उनकी समस्याओं का निस्तारण हो। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी बिंदुओं को प्राथमिकता के साथ निस्तारण कराया जाए आज जो बिंदु उठाए गए हैं उनका निस्तारण हर हाल में अगली बैठक तक अवश्य हो जाए। उद्योग कर्मियों की समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता से लिया जाए। अपर जिलाधिकारी ने लंबित निवेश मित्र के प्रकरणों को संबंध विभाग जल्द से जल्द निस्तारण के निर्देश संबंधित को दिए इसी के साथ जिलाधिकारी ने ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के लक्ष्य के सम्बन्ध में और एम0ओ0यू0 की समीक्षा कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिये। मैसर्स जी०आर० सॉलवेन्ट एण्ड अलाइड इण्डस्ट्रिज ली०, को नियमित विद्युत सप्लाई से सम्बन्धित प्रकरण का निस्तारण न करने पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत के वेतन रोकने के आदेश दिये। ढोलक हस्तकलां एसोसिएशन, जय ओम नगर अमरोहा में आरा मशीन लाईसेंस दिलाये जाने सम्बन्धित प्रकरण में प्रभागीय वन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये और सड़क बनवाये से सम्बन्धित प्रकरण को रखा। मैसर्स संगम मेडिसर्व प्रा0लि0, औद्योगिक विद्युत कनेक्शन की समस्या, मैसर्स सत्यम एग्रीकल्चर इण्डस्ट्री की जल भराव की समस्याओ से अवगत कराया। मैसर्स सी0एस0 गुप्ता एक्सपोर्ट लि0 के निर्यात उन्मुख्य काष्ठ संस्करण ईकाई का नीतिगत राहत एवं सुधार सम्बन्धित प्रकरण, औद्योगिक भूखण्ड संख्या एफ-24 के उपयोग में आ रही बाधा के निराकरण तथा निर्माण/उत्पादन की समयावधि में विस्तार प्रदान किये जाने सम्बन्धी प्रकरण में जिलाधिकारी ने चेत्रीय प्रबन्धक, यूपीसीडा को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार मैसर्स ण्म0जी0ए0 डिलाईन, खसरा नं0-51 मेन्गो ड्राईवलेन ग्राम हटाऊवा दिल्ली रोड जोया, जनपद अमरोहा के स्ट्रीटलाईट की समस्या के निराकरण के लिये खण्ड विकास अधिकारी जोया को निर्देश दिये। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पी0एम0 विश्वकर्मा योजना के अन्तर्गत उपायुक्त उद्योग ने जानकारी देते हुये कहा कि कुल 49862 आवेदन 18 टेज्डो में ऑनलाईन पोर्टल पर प्राप्त हुये है, जिसमें से ग्राम पंखयत एवं नगरीय निकाय के स्तर से प्रथम चरण में कुल 34801 आवेदनों की संस्तुति प्राप्त हेुई है, जिसमें से ग्राम पंचायत के कुल 31677 आवेदन तथा नगरीय निकाय के कुल 3124 आवेदन पत्र संस्तुत किये गये है। जनपद स्तर से जिला क्रियान्वयन समिति द्वार प्रथम स्तर से सत्यापित आवेदनों को अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है। उपायुक्म उद्योग ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि एक जनपद एक सत्पाद योजना के अन्तर्गत वर्तमान में चयनित ढोलक एवं रेडीमेड गारमेन्टस है, जिसमें जनपद के वर्तमान ओ0डी0ओ0पी0 उत्पाद के साथ सम्मिलित किये जाने वाला उत्पाद मेटल एवं वुडन हैन्डीक्राफ्ट को जोड़ा जा चुका है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, उपायुक्त उद्योग शैलेंद्र सिंह सहित अन्य संबंधित औद्योगिक क्षेत्र के प्रतिनिधि बंधु उपस्थित रहे।

तीन गुमशुदा बच्चों को पुलिस ने किया सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

रहरा /अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में जनपद भर में संचालित अभियान "ऑपरेशन मुस्कान" के अंतर्गत थाना रहरा पुलिस द्वारा गुमशुदा तीन मासूम बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया, जिससे दोनों परिवारों की खुशियाँ पुनः लौट आईं। रविवार को बच्चों के लापता होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही थाना रहरा स्थित मिशन शक्ति केन्द्र पर त्वरित कार्यवाही प्रारम्भ की गई। मिशन शक्ति टीम प्रभारी उपनिरीक्षक शिवराज सिंह द्वारा अपनी टीम के साथ रविवार को तीनों बच्चों को सकुशल बरामद किया गया। मिली जानकारी के अनुसार लापता बच्चे लव एवं एलविश थाना सैदनंगली क्षेत्र के ग्राम सौहत में झाड़ियों में बेर खाने चले गए थे, जिन्हें ग्राम सौहत से सकुशल बरामद किया गया। वहीं एक बच्चा मुनवेन्द्र अपने पिता नरेन्द्र की वैगनआर कार में पिछली सीट पर सो गया था, जिसकी तलाश परिवारजनों द्वारा वाहन में नहीं की जा सकी थी। पुलिस टीम द्वारा परिजनों के साथ मिलकर की गई खोजबीन के दौरान बच्चा वैगनआर कार की पिछली सीट पर सुरक्षित अवस्था में सोता हुआ पाया गया। तीनों गुमशुदा बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। इस कार्य के लिए दोनों परिवारों द्वारा मिशन शक्ति टीम एवं थाना रहरा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

बीएसए ने प्राथमिक विद्यालय जमुना खास का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका द्वारा प्राथमिक विद्यालय जमुना खास का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पंजीकृत 231 छात्रों के सापेक्ष 200 छात्र उपस्थित मिले प्रधानाध्यापक व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। विद्यालय परिसर में नवनिर्मित अतिरिक्त कक्षा कक्ष का निर्माण हो रहा है। निमार्णाधीन कक्ष में राजमिस्त्रियों द्वारा वेंटिलेटर मौके पर लगाया जा रहे थे जो मानक के अनुरूप नहीं लगाए गए थे। मौके पर मानक के अनुरूप लगाने के निर्देश दिए निर्माण में पाई गई कमियों के क्रम में निर्माण प्रभारी को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस का उत्तर मिलने के उपरांत उचित कार्रवाई की जाएगी।

गजरौला में आयी बारात में चले लाठी-डंडे,चार घायल, घटना सीसीटीवी में कैद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला में आई बारात में जमकर लाठी डंडे चल गए, इस घटना में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, विवाद कि यह घटना वहां पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बता दें कि पूरा मामला गजरौला थाना क्षेत्र के तिगरिया भूड़ मोहल्ले का है जहां एक शादी समारोह के दौरान बारात में हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बनी हुई है ।यह घटना मुरादाबाद से आई बारात के दौरान हुई। बताया जा रहा है कि महिलाओं से छेड़छाड़ को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो डांस के दौरान बढ़ गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चलने लगे, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई ।पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और वायरल फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

गजरौला क्षेत्र में भाकियू संयुक्त मोर्चा का धरना प्रदर्शन 51वें दिन भी जारी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की औद्योगिक नगरी गजरौला क्षेत्र के नाईपुरा और आसपास के गांवों में दूषित पानी की समस्या अब राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल का रूप ले चुकी है। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) संयुक्त मोर्चा के प्रमुख सचिव अरुण सिद्धू ने बताया कि फैक्ट्रियों से निकलने वाला जहरीला अपशिष्ट भूजल, नदियों, बोरिंगों और हैंडपंपों को प्रदूषित कर रहा है, जिससे लोगों में गंभीर बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने कहा कि भूमिगत जल प्रदूषण से जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है और नियमों की बजाय मर्जी चल रही है। इस मुद्दे पर गंभीर योजना और पर्याप्त बजट की जरूरत है। शहबाजपुर डोर में भाकियू संयुक्त मोर्चा का बेमियादी धरना सोमवार को 51वें दिन में प्रवेश कर गया, जहां किसान प्रदूषण और दूषित पानी के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही, नकली दवाओं और खाद्य पदार्थों का रैकेट बढ़ता जा रहा है, जिसमें लिव-52, कफ सीरप, कैंसर दवाएं, रियल जूस, दूध और पनीर जैसी चीजें नकली पाई जा रही हैं, जो आम जनता के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, अमेरिका-बांग्लादेश समझौते से भारत के गेहूं निर्यात पर दबाव बढ़ा है। बांग्लादेश ने अमेरिका से गेहूं की खरीद शुरू कर दी, जहां 5 फरवरी को बड़ी खेप चटगांव पहुंची। 2020 में भारत ने विश्व भर में जितना गेहूं निर्यात किया, उसका 50% बांग्लादेश को गया था। अब स्थिति गंभीर हो गई है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर भी किसानों में यह आशंका घर कर गई है कि अमेरिकी कृषि को भारी सब्सिडी मिलती है, जिससे यदि टैरिफ कम या जीरो हुआ तो सस्ती अमेरिकी फसलें (मक्का, सोयाबीन, कपास) भारतीय बाजार में भर

सकती हैं, जिससे स्थानीय किसानों को नुकसान होगा। डेयरी सेक्टर पर ड्ट1 लाख करोड़ का खतरा बताया जा रहा है, क्योंकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है और 8 करोड़ परिवार इससे जुड़े हैं। हालांकि, हालिया रिपोर्ट्स में संवेदनशील कृषि उत्पादों (गेहूं, चावल, दूध, पोल्ट्री आदि) को पूरी तरह संरक्षित रखने का दावा किया गया है ।अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी एवं मंडलाध्यक्ष एहसान अली ने कहा कि देश के कई बड़े मंत्री और नेताओं के बच्चे अमेरिका में रहते या पढ़ते हैं, जिससे सवाल उठता है कि वे देशहित की परवाह क्यों करेंगे। यह डील कुछ बड़े कारपोरेट्स के लिए फायदेमंद है, जो आयात से कमाकर भारतीय फसलें सस्ती खरीद कर महंगी बेचेंगे, जबकि छोटे किसान तबाह होकर सस्ते मजदूर बन जाएंगे। अहसान अली ने चिंता जताई कि भारत में किसान समाज सबसे ज्यादा बंटा हुआ है जाति, धर्म, क्षेत्र, जोत और फसल के आधार पर। छोटे किसानों के लिए खेती अब सर्वाइवल की लड़ाई है, जबकि उनके बच्चे खेती छोड़ शहर या विदेश जा रहे हैं। गजरौला जैसे इलाकों में रासायनिक कारखाने दारों समेत तमाम धन्नासेठों ने किसानों की जमीन खरीद ली है और अब खेती उन्हीं से करा रहे हैं। कहा कि जमीन बिकने पर केवल 5% लोग सर्वाइव कर पाते हैं, बाकी भगवान के भरोसे। पूंजीवाद का क्रूर रूप मध्यम और निम्न वर्ग को समाप्त कर सकता है। इसलिए किसानों और नीति-निमार्ताओं को ऐसा मॉडल विकसित करने की जरूरत है जो किसानों को संकट से बचाए।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौहान, होमपाल सिंह, हाजी अख्तर, जाहिद हुसैन, सोमपाल सिंह, रामशरण सिंह, इस्लाम चौधरी, गंगाराम सिंह, ओम प्रकाश, समरपाल सिंह, असद अली, महेंद्र सिंह, शीशपाल सिंह,जसवंत सिंह समेत भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

गोसिया कॉलोनी में नालियों की सफाई न होने से लोगों को करना पड़ रहा परेशानी का सामना

स्कूल जाने वाले बच्चों को दिक्कत, बरसात में बढ़ जाता है संकट, बीमारी का भी खतरा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत छोटा फील्ड के निकट स्थित गोसिया कॉलोनी में नालियों की नियमित सफाई न होने के कारण जलभराव की गंभीर समस्या बन जाती है। मोहल्ले में गंदा पानी सड़कों पर भर जाता है, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले बच्चों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सफाई कर्मी एक से दो महीने में कभी-कभार ही आता है, जिससे नालियों की सही ढंग से सफाई नहीं हो पाती। नतीजतन गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता है और लोगों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। इससे क्षेत्र में बीमारियों का खतरा भी लगातार बना हुआ है। लोगों का यह भी कहना है कि थोड़ी-सी बारिश होने पर ही पूरे इलाके में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस संबंध में जब बहजोई नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वह गोसिया कॉलोनी की स्थिति से अवगत हैं और वहां उनका निरंतर भ्रमण भी होता रहता है। उन्होंने बताया कि कॉलोनी नीचाई पर स्थित है तथा पास में ही एक तालाब होने के कारण जलनिकासी की समस्या बनी रहती है। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि हाल ही में जल निगम द्वारा पाइप लाइन का कार्य पूरा किया गया है और वहां नियमित रूप से कर्मचारी भी जाते हैं, लेकिन पानी की निकासी न होने से जलभराव की शिकायत आती रहती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योजना के अंतर्गत उक्त सड़क के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। सड़क निर्माण के साथ-साथ जलभराव की समस्या का भी स्थायी समाधान किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगामी दो से तीन महीनों के भीतर, बरसात से पहले, गोसिया कॉलोनी की इस समस्या का पूर्ण समाधान कर दिया जाएगा।

फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर 24 लाख की वसूली की कोशिश, अभियुक्त गिरफ्तार

एसपी के निर्देशन में थाना नखासा पुलिस की त्वरित कार्रवाई, आरोपी को भेजा गया जेल

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत थाना नखासा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के आदेश, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी कुलदीप सिंह के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार के कुशल नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना नखासा पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम अख्तयारपुर तगा निवासी शीशपाल पुत्र पीताम्बर को एक व्यक्ति स्वयं को इनकम टैक्स अधिकारी बताकर धमका रहा है। आरोपी ने पीड़ित को फर्जी इनकम टैक्स नोटिस दिखाते हुए कहा कि उसके पास दो करोड़ रुपये का काला धन है और यदि वह इनकम टैक्स की कार्रवाई से बचना चाहता है तो कुल धनराशि का 12 प्रतिशत यानी 24 लाख रुपये देने होंगे। सूचना मिलते ही थाना नखासा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की गहन जांच की, जिसमें आरोप सही पाए गए। पीड़ित शीशपाल की तहरीर के आधार पर अभियुक्त मोहित उर्फ प्रिंस पुत्र पुरुषोत्तम के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा जा रहा है। पुलिस द्वारा मामले में आगे की जांच जारी है।

मरकजी मदरसा अजमल उल उलूम में हज यात्रियों का टीकाकरण सम्पन्न

हज ट्रेनरों व अधिकारियों ने दी प्रशिक्षण, स्वास्थ्य व सुविधाओं की विस्तृत जानकारी

सम्भल (सब का सपना):- सोमवार को मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी सम्भल में हज की यात्रा पर जाने वाले हज यात्रियों का टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में हज यात्रियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में हज ट्रेनर कारी वसी अशरफ ने हज के मुख्य पाँच दिनों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यही पाँच दिन हज के सबसे अहम दिन होते हैं। यदि इन दिनों में लापरवाही बरती गई तो शेष 35 दिन निरर्थक हो सकते हैं, इसलिए हज पर जाने से पहले सही प्रशिक्षण बेहद जरूरी है। इस अवसर पर ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार मरकजी मदरसा पहुंचे और हज यात्रियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने हाजियों को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा यात्रियों की समस्याओं, सवालों और सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके पश्चात सरकारी डॉक्टरों की टीम डॉक्टर नीरज शर्मा के नेतृत्व में मदरसा पहुंची और हज यात्रियों का टीकाकरण शुरू किया। मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) सम्भल डॉक्टर तरुण पाठक ने टीकाकरण शिविर में पहुंचकर हज यात्रियों को हज यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं, स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं और यात्रियों से देश के लिए दुआ करने की अपील की। चिकित्सा अधीक्षक सीएससी सम्भल डॉक्टर मनीष अरोड़ा ने मौसम परिवर्तन, खान-पान और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर आवश्यक सावधानियों के बारे में बताया। मदरसा कमेटी के सदर हाजी जफीर अहमद एवं कोषाध्यक्ष सय्यद अब्दुल कदीर ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों, डॉक्टरों और हज ट्रेनरों का आभार व्यक्त किया। ज़िला हज ट्रेनर अब्दुल खालिक ने सऊदी अरब में रहन-सहन, खान-पान, कुरबानी आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। हज ट्रेनर तकी अशरफ एडवोकेट ने टीकाकरण प्रक्रिया, दस्तावेजों की पूर्ति तथा हज के दौरान अन्य हाजियों से व्यवहार को लेकर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि जनपद सम्भल से कुल 502 हज यात्री हज यात्रा पर जाएंगे, जिनमें से 371 यात्रियों का टीकाकरण इसी शिविर में किया गया। हज ट्रेनर हाजी नदीम ने हज यात्रा के दौरान आने वाली संभावित परेशानियों और उनसे बचने के उपाय बताए। हज ट्रेनर मुहम्मद अहमद ने हाजियों के दस्तावेजों और मोबाइल ऐप से संबंधित व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली।

वहीं हज ट्रेनर उम्मे हबीबा ने महिला हज यात्रियों को हज से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। इस मौके पर हज ट्रेनर डॉ. इफ़्तेखार, कारी तनजीम अशरफ अजमली, मुफ़्ती आलम नूरी, मौलाना शमशाद मिस्बाही सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने चंदौसी में किए विभिन्न विभागों का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने सोमवार को चंदौसी में विभिन्न सरकारी कार्यालयों और सुविधाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदौसी का निरीक्षण कर इमरजेंसी वार्ड और कैंटीन की स्थिति की जांच की। उन्होंने कैंटीन को कवर करने और परिसर में पेड़ों के सौंदर्यीकरण के लिए टाइल्स या पत्थर लगाने का निर्देश दिया। इसके बाद, जिलाधिकारी ने पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) का निरीक्षण किया और यहां भर्ती सैम बच्चों की माताओं से उपचार के बारे में जानकारी ली। माताओं ने बताया कि उनके बच्चों को अन्य जिलों में इलाज कराने के बाद एनआरसी में इलाज के बाद काफी सुधार हुआ है। जिलाधिकारी ने इन माताओं से आग्रह किया कि वे आस-पास के क्षेत्र में कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी ने बाद में कोतवाली चंदौसी का भी निरीक्षण किया, पुराने वाहन नीलामी के लिए दिशा-निर्देश दिए, और विभिन्न रजिस्टरों की जांच की। उन्होंने चौकीदारों के पदों पर शासन को पत्र भेजने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा, मिशन शक्ति कक्ष, बाल कक्ष और सीसीटीवी कैमरे की स्थिति की भी समीक्षा की। नगर पालिका परिषद चंदौसी के कार्यालय में पदोन्नति से संबंधित लंबित फाइलों की जांच की और संबंधित को निर्देशित किया कि इस प्रक्रिया में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सफाई कर्मचारियों के वेतन संबंधी शिकायतों पर भी सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी और सात दिनों में वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नगर पालिका के परिसर में साफ सफाई की स्थिति को सुधारने के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। अंत में, जिलाधिकारी ने विकासखंड बनिया खेड़ा का निरीक्षण किया, जहां मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के तहत पम्प सेट वितरण कार्यक्रम में लाभार्थियों को पम्प सेट और प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने पंचायत उद्योग, सेनेटरी नैपकिन उत्पादन इकाई और अन्य सुविधाओं का भी निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, क्षेत्राधिकारी चंदौसी मनोज कुमार सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चंदौसी में कांशीराम आवासों से अवैध कब्जों पर बड़ी कार्रवाई

डीएम के निर्देश पर प्रशासन ने एक ब्लॉक कराया खाली, आगे भी जारी रहेगा अभियान

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के चंदौसी नगर में अवैध कब्जों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर पालिका प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मोहल्ला नखासा स्थित कांशीराम आवासों को खाली कराने का अभियान चलाया। प्रशासन के अनुसार मोहल्ला नखासा में कुल 108 कांशीराम आवासों का निर्माण किया गया था, जिनमें से करीब 80 आवासों पर पिछले कई वर्षों से लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया था। इस संबंध में लगातार शिकायतें मिलने के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अवैध कब्जे हटाने के आदेश जारी किए। कार्रवाई के दौरान कुछ कब्जाधारकों द्वारा विरोध भी किया गया, लेकिन प्रशासन की सख्ती के सामने उनका विरोध नहीं चल सका। पुलिस बल की मौजूदगी में अभियान को शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम दिया गया। इस दौरान एक पूरा ब्लॉक खाली करा लिया गया है, जबकि शेष आवासों पर भी चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई जारी है। मौके पर मौजूद नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी धर्मराज राम ने बताया कि शासन के निदेशानुसार सभी अवैध कब्जों को हटाया जाएगा और कांशीराम आवास केवल पात्र लाभार्थियों को ही आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है और अन्य अवैध कब्जाधारकों में भी खलबली देखी जा रही है।

बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण, सरकार की योजनाओं की दी जानकारी

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निदेर्शों के तहत सोमवार को कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय आटा, शहीद गिरीश चंद कंपोजिट विद्यालय और जूनियर हाईस्कूल कैथल की छात्राओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में आत्मरक्षा करने के लिए सक्षम बनाना था, ताकि वे किसी भी मुश्किल का सामना कर सकें और विरोधी का डटकर मुकाबला कर सकें। प्रशिक्षक सुरेश कुमार, संतराम, ब्रजेश और रितेश ने छात्राओं को मार्शल आर्ट के विभिन्न तकनीकी अभ्यास जैसे फ्रंट किक, फ्रंट जंप किक, नेक अटैक, साइड कट और मिडिल ब्लॉक्स आदि सिखाए। सुरेश कुमार ने बताया कि इन तकनीकों के प्रशिक्षण से छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे आत्मरक्षा में पूरी तरह सक्षम हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों और जूनियर हाई स्कूलों में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही, छात्राओं को सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना निराश्रित महिला पेंशन छात्रवृत्ति मुख्यमंत्री बाल सेवा आदि के बारे में भी जानकारी दी गई। यह प्रयासबालिकाओं और महिलाओं को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ उनके आत्मनिर्भर और सुरक्षित जीवन के प्रति जागरूक करने का है।

गुम हुई तीन वर्षीय बच्ची पुलिस की तत्परता से परिजनों को मिली

बनियाठेर/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब ग्राम नसरौला थाना इस्लामनगर जनपद बदायूं निवासी सबी मोहम्मद पुत्र बुन्दू खां ने थाना बनियाठेर पर मोबाइल फोन के माध्यम से सूचना दी कि वह अपने परिवार के साथ कस्बा नरौली के मोहल्ला मंशादेवी में रविवार को एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। शादी के दौरान खेलते-खेलते उसकी करीब तीन वर्षीय पुत्री अनायजा अचानक लापता हो गई। परिजनों द्वारा बच्ची की आसपास काफी तलाश की गई, लेकिन जब कहीं कोई सुराग नहीं मिला तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना बनियाठेर पुलिस टीम सक्रिय हो गई और क्षेत्र में सघन तलाश अभियान शुरू कर दिया। पुलिस द्वारा आसपास के इलाकों, सार्वजनिक स्थलों और संभावित स्थानों पर खोजबीन की गई। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने कस्बा नरौली क्षेत्र से गुमशुदा बच्ची अनायजा को सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद बच्ची को थाना लाया गया, जहां उसके पिता सबी मोहम्मद द्वारा उसकी पहचान की गई। सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित रूप से उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। अपनी बच्ची को सकुशल पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और थाना बनियाठेर पुलिस की तत्परता की सराहना की। पुलिस का कहना है कि इस तरह की घटनाओं में सतर्कता और समय पर सूचना बेहद महत्वपूर्ण होती है।

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोग घायल,एक महिला की मौत

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव राजपुर निवासी 65 वर्षीय अजुध्या देवी पत्नी राजेंद्र सिंह सोमवार को अपने पति के साथ साइकिल से पंवासा जा रही थीं। जैसे ही दंपती बहजोई क्षेत्र के ग्राम भवन के पास पहुंचे, तभी अचानक तेज रफ्तार से आ रही एक फॉर्च्यूनर गाड़ी ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अजुध्या देवी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। वहीं अजुध्या देवी के पुत्र अशोक कुमार की मदद से घायल महिला को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से मृतका के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव राजपुर में शोक का माहौल व्याप्त है। इसी दिन सोमवार को दूसरी सड़क दुर्घटना थाना केलादेवी क्षेत्र में सामने आई। केलमुडी गांव निवासी मुखवीर पुत्र रंजीत (38) तथा लल्लू पुत्र सौदान सिंह (35) बाइक से अपने गांव से बहजोई की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे ग्राम नाधौस के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से उनकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएचसी बहजोई पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया। दूसरी बाइक पर सवार गड्डों पत्नी जगपाल (45) निवासी शोभापुर थाना केलादेवी जनपद सम्भल भी दुर्घटना में घायल हुई हैं चिकित्सकों ने उन्हें भी जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पुलिस दोनों मामलों में जांच कर रही है।

विराट हिंदू सम्मेलन में एकजुटता का आह्वान

बटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो सेफ रहोगे का गूंजा नारा

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- रविवार को नगीना क्षेत्र के इस्लामाबाद दमी में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में वक्ताओं ने सनातन समाज के लोगों से जाति-पात से ऊपर उठकर एकजुट रहने का आह्वान किया। सम्मेलन में ह्लबटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो सेफ रहोगे का नारा बार-बार दोहराया गया और समाज को संगठित करने पर जोर दिया गया। विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन इस्लामाबाद दमी आयोजन मंडल अध्यक्ष संतोष पटेल एवं कनकपुर मंडल अध्यक्ष डॉ. भगवान दास के तत्वावधान में किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि ग्राम विकास आयोजन, मेरठ प्रांत के राजकुमार रहे। मुख्य अतिथि राजकुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी आपसी बंटवारा है। समाज

अलग-अलग जातियों में बंटा हुआ है, जिसका फायदा कट्टर और राष्ट्रविरोधी मानसिकता वाले तत्व उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एक सोची-समझी साजिश है, जिसके तहत सनातन समाज को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि समाज बंटा रहा तो नुकसान होगा, जबकि एकजुटता ही सुरक्षा और शक्ति का आधार है। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि एवं उत्तराखंड आंदोलन के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित विजय भारत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों के सामाजिक और राष्ट्रसेवा के सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ ने बिना किसी विरोधाभास के राष्ट्र और समाज की सेवा करते हुए एक सदी का सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की विश्व स्तर पर अलग पहचान है, लेकिन आज समाज को जागरूक होने की जरूरत है। जाति-पात में बांटने वाली ताकतों से सावधान रहकर अपनी एकता और शक्ति को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने जनसंख्या संतुलन पर भी चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संतोष पटेल ने कहा कि सनातन समाज अपनी संस्कृति से दूर होता जा रहा है, जिससे नई पीढ़ी भारतीय संस्कारों से कटती जा रही है। उन्होंने बच्चों को हिंदू संस्कृति और मूल्यों की शिक्षा देने पर बल दिया, जिससे उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत हो सके।इससे पूर्व मुख्य अतिथि राजकुमार, मुख्य वक्ता पंडित विजय भारत, संतोष पटेल एवं डॉ. भगवान दास को भगवा पगड़ी, शॉल एवं भारत माता का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष संतोष पटेल ने अतिथियों, आयोजक समितियों एवं दोनों बस्तियों के लोगों का आभार व्यक्त किया। सम्मेलन को सफल बनाने में नरेंद्र चौहान, सुरेश कुमार, प्रमोद कुमार, राजवीर सिंह, अखिल कुमार, अनिल राणा, डॉ. जयपाल सिंह, मोहित कुमार, अनुज कुमार, महेंद्र सिंह चौहान, ज्ञानचंद चौहान सहित दोनों आयोजक समितियों के पदाधिकारियों और सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरुषों और महिलाओं की सहभागिता रही।

नगीना में बाइक फिसलने से दो युवक घायल, जिला अस्पताल रेफर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में रविवार देर रात बाइक फिसलने से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सीएचसी नगीना लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खारी निवासी पंकज कुमार (24) पुत्र मामराज और करे सिंह (22) पुत्र दारा सिंह रविवार रात करीब 9 बजे कोर्ट कदर क्षेत्र से एक विवाह समारोह में शामिल होकर मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे नगीनाझ्ररायपुर रोड स्थित ग्राम गाड़ी के मोड़ पर पहुंचे, तभी अचानक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। हादसे में बाइक चला रहे पंकज कुमार के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि उनके साथी करे सिंह को भी गंभीर चोटें लगीं। सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत घटना की सूचना 108 एंबुलेंस सेवा को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सीएचसी नगीना पहुंचाया गया। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजनों में कोहराम मच गया।

बंद मकान को चोर बना रहे थे अपना निशाना, ग्रामीणों ने एक चोर को दबोचा

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के राजा का ताजपुर चौकी अंतर्गत ग्राम जमालपुर किरत में बीती रात चोरी की एक बड़ी वारदात होते-होते टल गई। ग्रामीणों की सतर्कता से चोर अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सके, हालांकि इस दौरान गांव में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देर रात करीब 2झ3 चोरों ने गांव के एक बंद मकान को निशाना बनाया। जैसे ही घर के अंदर संदिग्ध आहट हुई, आसपास के लोग जाग गए और शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र

हो गए, जिससे चोरों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने घेराबंदी कर एक चोर को मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि उसके दो अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पकड़े गए चोर को ग्रामीणों ने पकड़कर बिजली के खंभे से बांध दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस द्वारा आरोपी को छुड़ाने के प्रयास के दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच कुछ देर के लिए तीखी नोंक-झोंक भी हुई। ग्रामीण फरार चोरों की तत्काल गिरफ्तारी और पकड़े गए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे। थाना प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी पास के ही गांव नसीरपुर का निवासी है। उससे पूछताछ की जा रही है

और फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने ग्रामीणों से कानून अपने हाथ में न लेने की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एडेड माध्यमिक शिक्षकों की सेवा सुरक्षा के लिए शासन हुआ गंभीर

संगठन की मांग पर विशेष सचिव ने आयोग के सचिव को लिखा पत्र

माध्यमिक शिक्षकों में खुशी की लहर, शासन और संगठन को दिया धन्यवाद

बिजनौर (सब का सपना):- प्रदेश के सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की सेवा सुरक्षा से संबंधित इंटरमीडिएट एक्ट 1982 की धारा 12 एवं 18 के बहाली को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वर्षों से मांग करता आ रहा है। ज्ञात हो कि माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग के भंग होने के उपरांत इन विद्यालयों के शिक्षकों की सेवा सुरक्षा से संबंधित धाराएं स्वतः समाप्त हो गई थी। परिणाम स्वरूप शिक्षकों में भय एवं असुरक्षा की भावना थी। इसी को लेकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ निरंतर शासन से धरना प्रदर्शन तथा मांग पत्रों के माध्यम से नवगठित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा आयोग के नियमों में सेवा सुरक्षा की धारा 12, 18 एवं धारा21 को जोड़ने की निरंतर मांग कर रहा था। विगत 28 जनवरी को

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की अध्यक्षता में उच्च शिक्षा सेवा आयोग तथा विभिन्न शिक्षक नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक लखनऊ में हुई थी। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी द्वारा सेवा सुरक्षा की धाराओं को पुनर्स्थापित करने पर गंभीरतापूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया था। उसी क्रम में विगत 6 फरवरी को प्रदेश सरकार के विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा आयोग के सचिव को पत्र लिखकर 28 जनवरी की बैठक का हवाला देते हुए तथा उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के निर्देश के क्रम में सचिव को निर्देशित किया है कि वह उक्त धाराओं के विषय में विस्तृत अध्ययन कर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करें। संगठन के जिला अध्यक्ष गय्यूर आसिफ तथा जिला मंत्री विनोद कुमार ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया की विशेष सचिव के द्वारा सेवा आयोग के सचिव को लिखा गया पत्र संगठन के प्रयासों की सफलता में एक महत्वपूर्ण कड़ी है आसिफ ने कहा कि विगत 8, 9 तथा 10 जनवरी को मथुरा में आयोजित प्रदेश के राज्य सम्मेलन में स्थानीय सांसद हेमा मालिनी तथा आगरा के सांसद एवं केंद्रीय मंत्री डॉक्टर एसपी सिंह बघेल उपस्थित हुए थे और उन्होंने आश्वस्त किया था कि वह शिक्षकों की इन मांगों को गंभीरता पूर्वक शासन के समक्ष रखेंगे। आसिफ ने कहा इसके अतिरिक्त समय-समय पर उनका संगठन शासन से सेवा सुरक्षा बहाली की मांग करता रहा है, और विशेष सचिव का यह पत्र शिक्षक समाज को आशान्वित करता है कि निकट भविष्य में दोनों धाराएं धारा 18 तथा धारा 21 बहाल होंगी और शिक्षकों के मन में व्याप्त भय एवं असुरक्षा की भावना दूर होगी। विज्ञप्ति में संगठन के प्रांतीय उपाध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी विधान परिषद में शिक्षक दल के नेता ध्रुव त्रिपाठी महामंत्री नरेंद्र वर्मा के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया है। साथ ही प्रदेश सरकार तथा विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक जी के प्रति संगठन की ओर से विशेष आभार प्रकट किया गया है।

कांवड़ यात्रा को लेकर बिजनौर पुलिस सतर्क, ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी

बिजनौर (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जनपद बिजनौर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक के निर्देश पर जिलेभर में कांवड़ मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए कई मार्गों पर रूट डायवर्जन लागू किया गया है। थाना मंडावली क्षेत्र उत्तराखंड सीमा से लगा जनपद बिजनौर का पहला थाना क्षेत्र है। हरिद्वार से जल लेकर आने वाले लाखों कांवड़िए इसी मार्ग से होकर

बिजनौर में प्रवेश करते हैं। इसे देखते हुए मंडावली थाना प्रभारी राकेश कुमार के नेतृत्व में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। कांवड़ मार्गों की निगरानी ड्रोन कैमरों से की जा रही है। इसके साथ ही मोटा महादेव मंदिर समेत प्रमुख धार्मिक स्थलों और संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि किसी भी अव्यवस्था या अप्रिय घटना पर तुरंत नियंत्रण किया जा सके। पुलिस प्रशासन ने जंगली जानवरों की संभावित आवाजाही को ध्यान में रखते हुए कुछ मार्गों पर वैकल्पिक रूट भी निर्धारित किए हैं। इसके अलावा कांवड़ ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों का निरीक्षण कर अधिकारियों द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और यात्रा को शांतिपूर्ण व सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

निलंबित राशन डीलर के घर छापा, 24 क्विंटल राशन का चावल बरामद

किरतपुर /बिजनौर (सब का सपना):- ब्लॉक के ग्राम बुडगरा में निलंबित राशन डीलर रविंद्र कुमार के घर पर देर रात राजस्व की टीम ने छापा मारकर उसके पास से 24 क्विंटल राशन का चावल बरामद किया। यह चावल कार्यवाहक राशन डीलर उषा देवी के नाम आवंटित था। अधिकारियों की इस कार्रवाई से राशन की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। यह घटना रविवार की रात करीब 9:30 बजे हुई, जब नजीबाबाद के नायब तहसीलदार, सप्लाई इंस्पेक्टर, हल्का पटवारी और किरतपुर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ बुडगरा गांव पहुंचे। उन्होंने निलंबित डीलर रविंद्र कुमार के घर पर छापा मारा और 25 क्विंटल चावल बरामद किया, जिसमें से 24 क्विंटल राशन का चावल था। पटवारी आनंद ने मौके पर 48 कट्टों की गिनती की, जिनमें 24 क्विंटल चावल पाया गया। शुरूआत में पटवारी आनंद ने चावल को अगले दिन सुबह किरतपुर थाने लाने की बात कही थी। हालांकि, देर रात दो वाहन (यूपी 20 टी 0971 और यूपी 20 सीवाई 1352) निलंबित डीलर के गोदाम पर पहुंचे। वहां से चावल के कट्टों को पिकअप में भरकर किरतपुर मंडी समिति के गोदाम में रखवाया गया। बाद में, सुबह यह चावल दरगोपुर की कार्यवाहक राशन डीलर उषा देवी के यहां पहुंचा दिया गया।इस पूरे मामले पर जब नजीबाबाद के एसडीएम से जानकारी लेने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने सप्लाई इंस्पेक्टर से बात करने को कहा। हालांकि, सप्लाई इंस्पेक्टर धर्मेंद्र वर्मा और नायब तहसीलदार दोनों ने फोन रिसीव नहीं किया। अधिकारियों की इस चुप्पी से मामले में गड़बड़ी की आशंका गहरा गई है। प्रथम दृष्टया यह सवाल उठता है कि जब राशन डीलर रविंद्र कुमार की दुकान निलंबित चल रही थी, तो उसे यह कोटा कैसे आवंटित किया गया। यह घटना संबंधित विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करती है और राशन वितरण प्रणाली में अनियमितता की ओर इशारा करती है।

चाइनीज मांझे ने छीनी युवक की मुस्कान, नाक कटने से मचा हड़कंप

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद डबल फाटक फ्लाईओवर पर रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने एक बार फिर चाइनीज मांझे की जानलेवा सच्चाई को उजागर कर दिया। तेज रफ्तार ज़िंदगी के बीच सड़क से गुजर रहा एक युवक अचानक ऐसे अदृश्य खतरे की चपेट में आ गया, जिसने उसकी नाक लहूलुहान कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक सवार युवक जैसे ही फ्लाईओवर से गुजर रहा था, अचानक चाइनीज मांझा उसकी नाक से टकरा गया। पल भर में युवक दर्द से चीख उठा और सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। राह चलते लोग सहम गए। कोई मदद के लिए दौड़ा, तो कोई इस खौफनाक मंजर को देख सन्न रह गया। घायल युवक की पहचान आशीष (28 वर्ष) के रूप में हुई है, जो नगीना स्थित पंजाब नेशनल बैंक में कैशियर के पद पर कार्यरत हैं। वह रुड़की से नगीना की ओर लौट रहे थे, लेकिन उन्हें क्या पता था कि रास्ते में मौत का एक नंगा फंदा हवा में तना हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही नजीबाबाद रक्त टीम के ब्लॉक अध्यक्ष फहीम अख्तर और पत्रकार सुहैल राजू मौके पर पहुंचे। मानवता की मिसाल पेश करते हुए उन्होंने बिना देरी किए घायल आशीष को नगर के पूजा हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत उपचार शुरू किया और नाक पर दो टांके लगाए। फिलहाल आशीष की हालत स्थिर बताई जा रही है, लेकिन यह जख्म केवल शरीर पर नहीं, व्यवस्था पर भी है। फहीम अख्तर ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए कहा, चाइनीज मांझा केवल धागा नहीं, यह मौत का हथियार है। सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगाया है, फिर भी इसकी बिक्री खुलेआम हो रही है। आज नाक कटी है, कल किसी की गर्दन भी कट सकती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निदेशों और पुलिस के लगातार अभियानों के बावजूद यह जानलेवा मांझा बाजारों तक कैसे पहुँच रहा है? क्या प्रशासन की सख्ती केवल कागजों तक सीमित रह गई है? यह घटना सिर्फ एक युवक के घायल होने की नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम को झकझोरने वाली चेतावनी है। जब तक चाइनीज मांझे की बिक्री करने वालों पर कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक हर राहगीर की सांसें ऐसे ही खतरे में रहेंगी।

खुशियों की चहल-पहल के बीच एक मासूम की चीखें

मंडावर/ बिजनौर (सब का सपना):- खुशियों की चहल-पहल के बीच एक मासूम की चीखें गाँव मिर्जापुर में मातम में बदल गईं। बारात की घुड़चढ़ी देखने निकला आठ वर्षीय नीकुल जब सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रक उसकी ज़िंदगी को रौंदता हुआ निकल गया। हादसा इतना भयावह था कि ट्रक का पहिया उसके दाहिने पैर को कुचलता चला गया। रविवार सुबह करीब दस बजे मिर्जापुर नई बस्ती में बारात की रौनक थी। इसी दौरान अमरजीत का आठ वर्षीय पुत्र नीकुल उत्सुकता में घुड़चढ़ी देखकर घर लौटने के लिए सड़क पार कर रहा था। तभी बालावली की ओर से गैस सिलेंडर लेकर आ रहा आयसर कैंटर ट्रक अचानक उस पर चढ़ गया। मासूम दर्द से तड़पता रहा और मौके पर

अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर भागने लगा, लेकिन ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची। घायल नीकुल को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर वाहन को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रहे भारी वाहनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गाँव में अब बारात की खुशियाँ नहीं, बल्कि हर चेहरे पर एक मासूम की पीड़ा और माता-पिता की बेबसी साफ झलक रही है।

नगीना में साप्ताहिक बाजार बंदी बेअसर, डीएम के आदेशों की खुलेआम उड़ाई गई धज्जियां

नगीना/बिजनौर(सब का सपना):- जनपद के नगर नगीना में साप्ताहिक बाजार बंदी अब सिर्फ कागजों तक सिमटती नजर आ रही है। जिलाधिकारी बिजनौर द्वारा सोमवार को साप्ताहिक बाजार बंदी का स्पष्ट आदेश होने के बावजूद जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट दिखाई दी। निर्धारित बंदी के दिन सोमवार को नगीना के लगभग सभी प्रमुख बाजार पूरी तरह खुले रहे, जिससे प्रशासनिक सख्ती पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में ही नगीना नगर के लिए सोमवार को साप्ताहिक बाजार बंदी का दिन तय करते हुए संबंधित विभागों और अधिकारियों को आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन सोमवार को इन आदेशों का कहीं पालन होता नहीं दिखा। नगर में स्टेशन रोड से लेकर पहाड़ी दरवाजा तक, तहसील मार्केट, मौलगंज, लुहारी

सराय, मंझलैटा, सरार्फा बाजार, बाजार बारादरी सहित मुख्य बाजारों और गली-मोहल्लों की अधिकांश दुकानें खुली रहीं। सबसे चिंताजनक स्थिति यह रही कि साप्ताहिक बंदी के दिन भी कई दुकानों पर कम उम्र के कर्मचारी काम करते हुए नजर आए, जो नियमों के खुले उल्लंघन की ओर इशारा करता है। सोमवार को बाजारों की चहल-पहल देखकर ऐसा प्रतीत हुआ मानो साप्ताहिक बंदी का कोई आदेश कभी जारी ही न किया गया हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जिलाधिकारी के स्पष्ट आदेशों का इस तरह खुलेआम उल्लंघन होता रहेगा तो प्रशासन की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोगों ने संबंधित विभागों और अधिकारियों की चुप्पी पर भी नाराजगी जताई और पूछा कि आखिर किसके संरक्षण में बाजार बंदी का नियम मजाक बनकर रह गया है। अब सवाल यह उठता है कि क्या साप्ताहिक बाजार बंदी का आदेश सिर्फ फाइलों तक सीमित रह गया है? या फिर जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदकर इस उल्लंघन को नजरअंदाज कर रहे हैं? नगरवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि साप्ताहिक बाजार बंदी के आदेशों को प्रभावी ढंग से लागू कराया जाए और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि नियमों का सम्मान और पालन सुनिश्चित हो सके।

बाहरी दिल्ली में प्लास्टिक व्यापारी की गोली मारकर हत्या, फिल्मी स्टाइल में सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर मारी गोलियां

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बावाना इलाके में बदमाशों ने एक प्लास्टिक व्यापारी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन से चार बदमाशों ने व्यापारी को पहले दौड़ाया और फिर पीछा कर उस पर गोलियां बरसा दीं। बताया जा रहा है कि बदमाशों को देखते ही व्यापारी ने जान बचाने के लिए भागने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उसे घेर लिया और नजदीक से गोलियां मार दीं। व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और हमलावरों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह साफ नहीं हो पाई है। पुलिस आपसी रंजिश, कारोबार से जुड़ा विवाद और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। इलाके में घटना के बाद दहशत का माहौल है।

यमुना खादर में अवैध निर्माण पर एनजीटी सख्त, एमसीडी-डीडीए समेत कई विभागों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। मजनू का टीला क्षेत्र में यमुना नदी के खादर क्षेत्र में अवैध निर्माण होने के खिलाफ एक स्थानीय नागरिक द्वारा भेजे गए पत्र का नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने स्वतः संज्ञान लिया है। एनजीटी ने माना कि पत्र में पर्यावरणीय मानदंडों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया गया है। एनजीटी ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम दिल्ली (एमसीडी), संबंधित जिला मजिस्ट्रेट, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) व दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को मामले में पक्षकार बनाते हुए नोटिस जारी किया। एनजीटी ने जिलाधिकारी को अवैध निर्माण करने वालों को विवरण देने के साथ ही यह भी स्पष्ट करने को कहा है कि क्या निर्माण यमुना खादर क्षेत्र में हुआ है। उक्त निर्देश के साथ मामले की सुनवाई 20 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

बाहरी दिल्ली में 10वीं के छात्र की चाकू से गोदकर हत्या, फेयरवेल पार्टी से लौटने के दौरान हुई वारदात

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मंगोलपुरी स्थित ओ-ब्लॉक में सर्वोदय बाल विद्यालय से फेयरवेल पार्टी के बाद घर लौट रहे 10वीं कक्षा के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 15 वर्षीय सुधांशु के रूप में हुई है, जो अपने माता-पिता के साथ मंगोलपुरी क्षेत्र में रहता था। जानकारी के अनुसार, हमलावर ने सुधांशु के सिर में चाकू से वार किया, जो आर-पार हो गया। गंभीर हालत में छात्र को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हमला किसने और किस वजह से किया। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह साफ नहीं हो पाई है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं से मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

दिल्ली के त्रिलोकपुरी में मैकेनिक की पीट-पीटकर हत्या, मोबाइल चार्जिंग के लिए इनकार करने पर ले ली जान

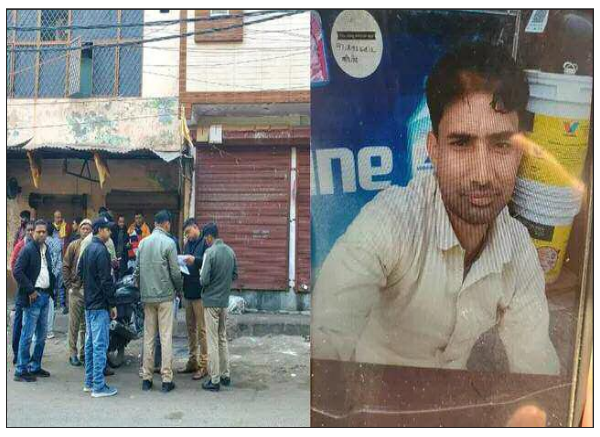

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में मोबाइल चार्ज करने से मना करने पर तीन युवकों ने एक मैकेनिक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना में मैकेनिक को बचाने आए उसके एक कर्मचारी को भी आरोपियों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बीर सिंह के रूप में हुई है, जबकि घायल कर्मचारी का नाम राम किशन बताया गया है। विवाद उस समय शुरू हुआ, जब आरोपियों ने मैकेनिक की दुकान पर मोबाइल चार्ज करने की बात कही और मना किए जाने पर झगड़ा बढ़ गया। आरोप है कि गुस्साए तीनों युवकों ने बीर सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया। शोर सुनकर कर्मचारी राम किशन बीच-बचाव के लिए आया तो उस पर भी धारदार हथियार से वार किए गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बीर सिंह को मृत घोषित कर दिया, जबकि राम किशन का इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही मयूर विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है।

डीएम ने ब्लॉक एवं नगर पंचायत कार्यालय जोया और थाना डिडौली का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने वार्षिक निरीक्षण के तहत सोमवार को ब्लॉक कार्यालय जोया, थाना डिडौली एवं नगर पंचायत जोया कार्यालय का निरीक्षण किया। थाना निरीक्षण के दौरान उन्होने परिसर की स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव, मालखाना, मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर सेल, अपराध रजिस्टर एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम की गहनता से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मिशन शक्ति केन्द्र के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा एवं जागरूकता से जुड़े अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने, साइबर सेल द्वारा साइबर अपराधों के प्रति त्वरित कार्रवाई करने तथा संबंधित कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। ब्लॉक कार्यालय जोया के निरीक्षण के समय 15वें वित्त आयोग, टाइड और अनटाइड फंड द्वारा किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निर्देश दिए कि ऐसे गांव जहां जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती हैं, उनको चिन्हित कर कार्ययोजना बनाते हुए प्राथमिकता से समस्या का समाधान कराएं। गांवों में जल समिति को सक्रिय कराने के निर्देश दिए। स्थापना रजिस्टर, भ्रमण पंजिका और सर्विस बुक देखकर पूर्ण और अद्यतन रखने के निर्देश दिए। हैंडपंप के किए गए रिबोर और मरम्मत की जांच के निर्देश दिए। कार्यालय में विद्युत सुरक्षा ऑडिट के निर्देश दिए। नगर पंचायत कार्यालय के निरीक्षण में जिलाधिकारी ने जन्म पंजीकरण रजिस्टर की जाँच की तथा इसे व्यवस्थित रूप से रखने और निर्धारित समय-सीमा में पंजीकरण करने के निर्देश दिए। संपत्ति कर संग्रह की जानकारी लेते हुए गत वर्ष और वर्तमान वर्ष में लक्ष्य के सापेक्ष बहुत कम वसूली पर नाराजगी जताते हुए बढ़ाने के निर्देश दिए। कम कर संग्रहण और कार्यों में लापरवाही पर अमीन का स्पष्टीकरण जारी करने के साथ अनुशासनिक जांच करने के निर्देश दिए। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए यूजर चार्जेस की जानकारी ली तथा आय के अन्य स्त्रोत तलाशने के निर्देश दिए।

15वें वित्त आयोग की धनराशि के अवशेष को शीघ्र व्यय करने तथा पूरे नगर में स्वच्छता एवं प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शुभि गुप्ता, प्रभारी निरीक्षक हरीश वर्धन सिंह, बीडीओ जोया सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मानवाधिकार जागरूकता बैठक का किया आयोजन, लोगों को बताए अधिकार व कर्तव्य

बदायूँ (सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन की इकाई बदायूं द्वारा ब्लॉक कादरचौक क्षेत्र के ग्राम शिवाया हामिदपुर में एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उमेश यादव एवं संजीव शास्त्री (प्रदेश प्रभारी यूथ) की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि उमेश यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मानवाधिकार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है और इसके प्रति समाज में जागरूकता बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक आमजन अपने अधिकारों और कर्तव्यों को नहीं जानेंगे, तब तक शोषण और अन्याय के विरुद्ध प्रभावी लड़ाई संभव नहीं है। संगठन के बदायूँ जिलाध्यक्ष योगेश पुरी ने महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों तथा कमजोर वर्गों के अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही घरेलू हिंसा, सामाजिक भेदभाव, शिक्षा का अधिकार और कानूनी सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। डॉ. सुहेल अहमद जिलाध्यक्ष (अ.स.मो.) ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी प्रकार के अन्याय या उत्पीड़न की स्थिति में चुप न रहें और संगठन या संबंधित प्रशासन से संपर्क करें। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने की मांग की। इस अवसर पर जिला महामंत्री सीमा खान, जिला उपाध्यक्ष श्यामबिहारी, सुनील यादव जिला महामंत्री, मुकेश सक्सेना, जिला मंत्री, जिला उपाध्यक्ष राजेश शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष खूबसिंह, नेत्रपाल सिंह, सीमा देवी, बृजेश यादव, पन्नालाल, पंकज कुमार, अब्दुल करीम आदि सहित स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर कांवड़ियों को मिली राहत

नंदगांव खो नदी पर बने लकड़ी के अस्थायी पुल को खोला गया

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर शिवभक्त कांवड़ियों की सुविधा के लिए नंद गांव स्थित खो नदी पर बनाए गए लकड़ी के अस्थायी पुल को सोमवार को कांवड़ियों के लिए खोल दिया गया। पुल का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज प्रताप चौहान द्वारा किया गया। बतादें कि महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर प्रतिवर्ष ब्लॉक प्रमुख एवं ग्राम पंचायत के संयुक्त एवं व्यक्तिगत सहयोग से खो नदी पर यह अस्थायी लकड़ी का पुल तैयार कराया जाता है। इस बार पुल निर्माण के लिए ब्लॉक प्रमुख क्षमा लता चौहान ने अपनी ओर से 11000 रुपये की सहयोग राशि भेंट की है। इस पुल के निर्माण से कांवड़ियों को बड़ी राहत मिलती है, क्योंकि इससे काशीपुर,रुद्रपुर,हल्द्वानी,रामनगर, बरेली, पीलीभीत सहित अन्य क्षेत्रों की ओर जाने वाले कांवड़ियों की पैदल दूरी लगभग 10 से 15 किलोमीटर तक कम हो जाती है। इस पुल के चालू हो जाने से कांवड़िए अब नगीना से धामपुर की ओर घूमकर जाने के बजाय सीधे नंद गांव होकर खो नदी पार करते हुए अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। इससे समय की बचत के साथ-साथ यात्रा भी अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाती है। स्थानीय ग्रामीणों एवं शिवभक्तों ने अस्थायी पुल के निर्माण के लिए ब्लॉक प्रशासन और ग्राम पंचायत का आभार जताया तथा इसे कांवड़ियों के लिए एक सराहनीय पहल बताया। महाशिवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में कांवड़ियों के आवागमन को देखते हुए यह पुल क्षेत्र के लिए विशेष महत्व रखता है।इस मौके पर बीडीसी नरेश कुमार,पंकज चौहान,महाबीर सिंह,नागेश शर्मा,ग्राम प्रधान पवन कुमार,दयाराम भारती आदि मौजूद रहे।

प्रतिभा सम्मान समारोह शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को किया गया सलाम

एसडीएम ने ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया, समाजसेवियों ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की

नौगांवा सादात/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के नगर पालिका नौगांवा सादात के सभागार में सोमवार को अंजुमने अब्बासीया नौगांवा सादात रजिस्टर्ड ओखला नई दिल्ली द्वारा एक शानदार प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि एसडीएम सुनीता सिंह ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में तहसीलदार लकी सिंह, थाना नौगांवा सादात के पुलिसकर्मी सुनील कुमार, नगर पालिका के ईओ सलिल, और कई अन्य समाजसेवी और स्थानीय अधिकारी मौजूद रहे। समारोह का उद्देश्य शैक्षिक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करना था। इस अवसर पर चार छात्रों को उनके शैक्षिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया, जिनमें विशेष रूप से दो लड़कियों झ सकीना और जैनब को सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए ट्रॉफी और सर्टिफिकेट दिए गए। इसके अतिरिक्त, अंजुमने अब्बासीया ने लगभग 40 बच्चों को उनके अच्छे अंक लाने के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस समारोह में नगर के प्रमुख समाजसेवियों और क्षेत्रीय जिम्मेदार व्यक्तियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और बच्चों के प्रयासों को सराहा। अंजुमने अब्बासीया के कार्यकर्ताओं ने समारोह के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि समाजसेवी शहरे अमन सोसाइटी के सदस्य संदीप मलिक, और निजामत सैयद अली अब्बास ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। समारोह के दौरान एसडीएम सुनीता सिंह ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज की प्रगति का मुख्य आधार है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें अपने भविष्य को संवारने के लिए और मेहनत करने की आवश्यकता है। वहीं, अंजुमने अब्बासीया के अध्यक्ष अली मंजर, सेक्रेटरी हैदर अब्बास, और अन्य पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में आए सभी छात्रों और उनके अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

इस समारोह में तहसीलदार और अंजुमने अब्बासीया के पदाधिकारियों ने उपस्थित पत्रकारों को शॉल उड़ाकर और कलाई घड़ी देकर सम्मानित किया, जिससे कार्यक्रम में आए मीडिया प्रतिनिधियों की भी सराहना की गई।

कार्यक्रम के अंत में अली अब्बास और हैदर अली ने नगर के विद्यालयों की अहमियत और शिक्षा के प्रति लोगों के जागरूक होने की आवश्यकता पर नज्म प्रस्तुत की, जिसे सभी ने सराहा।

समारोह के इस आयोजन ने न केवल बच्चों को सम्मानित किया, बल्कि यह समाज में शिक्षा के महत्व को भी एक मजबूत संदेश देने का काम किया। सभी ने मिलकर बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें समाज के एक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

देवा शंकर सरस्वती विद्या मंदिर कन्या इंटर कॉलेज में 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन

किरतपुर /बिजनौर (सब का सपना):- नगर स्थित देवा शंकर सरस्वती विद्या मंदिर कन्या इंटर कॉलेज में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय कमेटी ने सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। नगर स्थित श्री देवाशंकर सरस्वती विद्या मंदिर कन्या इंटर कॉलेज में कक्षा 12 के भैया बहनों का दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें सर्वप्रथम विद्यालय के अध्यक्ष विजय गोयल , विद्यालय के प्रबंधक राम बहादुर सिंह गहलौत, प्रसिद्ध भाजपा नेता चौधरी तूफान सिंह एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक आर.के.शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन किया। विद्यालय के प्रबंधक राम बहादुर सिंह गहलौत ने भैया बहनों को बोर्ड परीक्षा 2026 में सर्वोच्च अंक कैसे प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन किया। तत्पश्चात विद्यालय के अध्यक्ष विजय गोयल ने भैया बहनों का मार्गदर्शन किया । विद्यालय के प्रिंसिपल आर के शर्मा ने भैया बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि आप भविष्य में सफल अधिकारी बने तथा अपने विद्यालय का नाम रोशन करें।

जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल में नवनिर्मित इण्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेट्री एवं नवनिर्मित ब्लड कलैक्शन सेंटर का किया लोकार्पण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा शशि जैन, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद अमरोहा की गरिमामयी उपस्थिति में जिला संयुक्त चिकित्सालय, अमरोहा में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (PM-ABHIM) के अन्तर्गत नवनिर्मित इण्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेबोरेट्री का लोकार्पण किया गया। इस लैब का निर्माण उ०प्र० राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लि० (UPCLDF), मुरादाबाद इकाई द्वारा किया गया है। इस लैब में हेपेटाईटिस बी एवं सी के वॉयरल लोड की जांच, टी०बी०, मलेरिया, फाईलेरिया, डेगू, चिकनगुनिया, यूरिन, थॉयराईड, विटामिन डी, बी12, सीबीसी, गुर्दे एवं लिवर की सभी जांचे, लिपिड प्रोफाईल व अन्य हेमेटोलॉजीकल, पुरूष एवं महिलाओं की हार्मोनल जांच तथा बायोकैमेस्ट्री जॉचों की सुविधा जिला संयुक्त चिकित्सालय, अमरोहा में नवनिर्मित आई0पी0एच0एल0 लैब में शासन से प्राप्त मशीनों द्वारा की जायेगीं। इसके साथ ही जिलाधिकारी, अमरोहा द्वारा नवनिर्मित ब्लड कलैक्शन सेंटर का भी लोकार्पण किया गया। इस सेंटर पर मरीजों का पंजीकरण कर ब्लड सैम्पल एकत्र कर नवनिर्मित आई0पी0एच0एल0 लैब में जांच हेतु भेजा जायेगा। कलैक्शन सेंटर भवन में मरीजों के बैठने के लिये पर्याप्त मात्रा में बेंच उपलब्ध हैं। इसी सेंटर से मरीजों की जांच रिपोर्ट भी वितरित की जायेगीं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ० अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकरी डॉ० योगेन्द्र सिंह,, समाजसेवी, हरि सिंह मौर्य व अनिल स्वरूप टंडन, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, डॉ० अनिल कुमार भण्डारी, जनरल सर्जन, डॉ० विनय भार्गव, वरिष्ठ परामर्शदाता, डॉ० प्रज्ञा प्रसाद, वरिष्ठ परामर्शदाता, डॉ० प्रमोद कुमार, वरिष्ठ परामर्शदाता, डॉ० चरन सिंह, चिकित्सा अधीक्षक, डॉ० शशांक बस्सी एवं डॉ० मौ० इकबाल, चिकित्साधिकारी, कार्यदायी संस्था के अवर अभियन्ता, रवि यादव तथा शोएब अली, विभागीय मण्डलीय सिविल अभियन्ता, गीता राजपूत, मैट्रन, प्रदीप कुमार, चीफ फार्मासिस्ट, ओमजंग बहादुर पाल, फार्मासिस्ट, रिफाकत फरीदी, एचडीओ, एल०टी० हिमांशु कुमार, दिवाकर पाण्डेय, प्रियांक शर्मा, जुनैद आलम, मनीष कुमार सिंह, मुनेन्द्र सिंह, निहार रस्तौगी, दिलशाद आलम, विनेश कुमार, नौशाद आलम एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

स्कॉटलैंड टी20 विश्वकप में 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बनी

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश के बाहर होने के बाद शामिल हुई स्कॉटलैंड की टीम ने टी20 विश्वकप क्रिकेट 2026 में एक नया रिकार्ड बना दिया। स्कॉटलैंड की टीम ने इटली के खिलाफ हुए मुकाबले में 207 रन बनाये और इसी के साथ ही वह 200 रन बनाने वाली पहली एसोसिएट टीम बन गयी है। इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। स्कॉटलैंड ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट पर 207 रन बनाए। इसी के साथ ही स्कॉटलैंड टी20 वर्ल्ड कप में एसोसिएट टीम के तौर पर 200 या उससे अधिक रन बनाने वाली पहली टीम बन गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड अमेरिकी टीम के नाम था। पिछले टी20 विश्वकप में अमेरिका ने बतौर एसोसिएट टीम कनाडा के खिलाफ सबसे अधिक 197 रन बनाए थे।

टी 20 वर्ल्ड कप में इससे पहले साल 2024 में अमेरिका ने कनाडा के खिलाफ तीन विकेट पर 197 रन बनाये थे। /3 वहीं 2024 में कनाडा ने अमेरिका के खिलाफ पांच विकेट पर 194 रन बनाये थे। वहीं 2014 में नीदरलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ 4 विकेट पर 193 रन बनाये थे।

मैच की बात करे तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड की टीम की शुरुआत सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से और माइकल जोन्स ने की। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 13.5 ओवर में 126 रनों की साझेदारी हुई। जॉर्ज मुन्से ने 54 गेंदों पर 13 चौके और 2 छक्के लगाकर 84 रन बनाये। वहीं जोन्स ने 30 गेंदों पर 37 रन बनाए।

वहीं नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आये ब्रैंडन मैकमुलन ने 18 गेंदों पर 4 छक्कों की मदद से नाबाद 41 रन आये। उनका अंत में साथ माइकल लीस्क ने दिया। लीस्क ने 5 गेंदों पर 440 के स्ट्राइक रेट के साथ नाबाद 22 रन बनाए।

एशियाई चैंपियनशिप: रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक से चूकी मनु भाकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर सोमवार को यहां स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया। इसके बाद मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा जिसमें वियतनाम की खिलाड़ी ने बाजी मार ली।

फाइनल में पूर्व एशियाई एयर पिस्टल चैंपियन ट्रेंग, मनु, ईशा और ओलंपियन रिदम सांगवान सभी स्वर्ण के लिए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे थे। ईशा ने पहली सीरीज में परफेक्ट पांच अंक से शुरुआत की जबकि मनु और ट्रेंग ने चार-चार अंक के निशाने लगाए। हर सीरीज के बाद पदक की दौड़ में स्थिति बदल रही थी लेकिन छठी सीरीज में परफेक्ट पांच के साथ वियतनाम की खिलाड़ी ने दो अंक की बढ़त बना ली। मनु और ईशा ने ट्रेंग की खराब सातवीं सीरीज का फायदा उठाया जिसमें वह सिर्फ एक निशाना लगा पाईं जिससे अंतर कम हो गया।

आठवीं सीरीज के आखिर में 30 के स्कोर के साथ आगे चल रही ईशा नौवीं सीरीज में अपने सभी शॉट चूक गईं और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। अंतिम सीरीज में मनु ने तीन निशाने लगाए जबकि ट्रेंग दो की निशाने लगा पाईं जिससे दोनों का कुल स्कोर 35 हो गया और मुकाबला शूट ऑफ में खिंचा इससे पहले ईशा ने 'प्रिसिन' और 'ड्यूलिंग' चरण के क्वालीफिकेशन दौर में 589 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके बाद मनु (584) रहीं। रिदम ने भी फाइनल में जगह बनाई जिससे आठ में से तीन निशानेबाज भारतीय थे।

ईशा, मनु और रिदम की तिकड़ी ने कुल 1,751 अंक के साथ टीम स्वर्ण जीता। चीनी ताइपे को 1,735 अंक के साथ रजत जबकि वियतनाम को 1,729 अंक के साथ कांस्य पदक मिला। जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में नाम्या कपूर ने रोमांचक शूट ऑफ में स्वर्ण पदक जीता। विश्व चैंपियनशिप पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी ने इंडोनेशिया की रिहादतुल अस्यिफा को पछाड़ा। अंजलि भागवत ने कांस्य पदक जीता। जूनियर भारतीय टीम ने इस स्पर्धा में टीम स्वर्ण भी जीता।

पाक से मैच को लेकर आईसीसी के फैसले का सम्मान करेगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्वकप मैच का बहिष्कार करने के मामले में बोर्ड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले का सम्मान करेगा। शुक्ला ने कहा है कि इस मामले में आईसीसी के जो भी फैसला लेगी। उसी का हम पालन करेगी और हमारा कोई अलग रुख नहीं होगा। शुक्ला ने कहा, मैं पहले भी स्पष्ट कर चुका हूं कि आईसीसी जो भी फैसला लेगा, बीसीसीआई उसी के अनुसार आगे बढ़ेगी। इस मामले में बोर्ड कुछ भी नहीं कहेगा। पाक ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने का विरोध करते हुए भारत के खिाफ विश्वकप मैच नहीं खेलने की बात कही है। वही पाक मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मैच की संभावनाएं हैं क्योंकि लाहौर में आईसीसी के डिप्टी चेयरमैन इमरान ख्वाजा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बीच इसको लेकर एक बैठक हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी इस मामले पर पाकिस्तान सरकार से स्पष्ट दिशा-निर्देश लेने वाला है। इसके बाद ही उसकी ओर से कोई औपचारिक घोषणा होगी। वहीं इससे पहले पाक सरकार ने कहा था कि उसकी टीम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले को बांग्लादेश से जुड़े विवाद से जोड़ते हुए कहा कि ये बांग्लादेश के प्रति समर्थन दिखाने के लिए लिया गया है।।

इससे पहले बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों से अपने सभी मैच भारत से बाहर कराने की मांग की थी, जिसे आईसीसी ने ठुकरा दिया था। इसके बाद बांग्लादेश ने विश्वकप से नाम वापस ले लिया था। आईसीसी ने पीसीबी से यह स्पष्ट करने को कहा है कि उसने बहिष्कार का कदम क्यों उठाया है। वहीं पीसीबी ने आईसीसी को संदेश भेजा था कि सरकार के आदेशों के कारण वह इस मैच से बाहर रहेगा। आईसीसी ने पीसीबी को यह भी आगाह किया है कि यदि मैच नहीं होता है, तो इससे को भारी आर्थिक और व्यावसायिक नुकसान हो सकता है। आईसीसी ने साथ ही उसे कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। पीसीबी का मानना है कि यदि मामला कानूनी रूप लेता है, तो उनके पास मैच से बाहर रहने को लेकर अपना पक्ष रखने के मजबूत आधार है।

भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने पीसीबी ने रखीं शर्तें

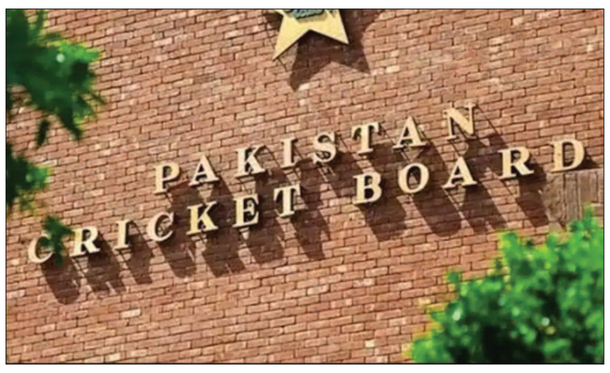

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप मैच में खेलने को लेकर सौदेबाजी शुरु कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा है कि वह भारत के खिलाफ विश्व कप में खेल सकता है पर उसकी तीन मांगों को पूरा करना होगा। पीसीबी को पता है कि आईसीसी इन मांगों को मानने तैयार नहीं होगा। उसकी मांग है कि बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के लिए बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाए। बांग्लादेश को विश्वकप में भाग न लेने के बाद भी पार्टिसिपेशन फीस और 3- भविष्य के आईसीसी टूर्नामेंट्स के लिए पाकिस्तान को मेजबानी का अधिकार दिया जाए। इस रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी आईसीसी के सामने 2 मांगें रखी है। पहली मांग ये कि मुआवजा दो और दूसरी मांग ये कि आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी दो।

वहीं आईईसीसी के इस प्रकार की सौदेबाजी के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। इससे पहले पाक ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भी टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी थी जब भारतीय खिलाड़ियों ने मैच के बाद पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से मना कर दिया था। इस बाद उसने पूरा टूर्नामेंट खेला था।

वहीं बांग्लादेश को पहले ही विश्वकप से बाहर कर दिया है। ऐसे में आईसीसी के उसे मुआवजा देने का सवाल भी नहीं उठाता है। आईसीसी ने हालांकि लाहौर में बीसीबी के अधिकारियों से बातचीत की। वहीं ये भी कहा जा रहा है पीसीबी में भी बोर्ड प्रमुख मोहसिन नकवी के प्रति नाराजगी है। नकवी केंद्रीय गृह मंत्री भी हैं। नकवी जहां भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार पर अड़े हुए हैं वहीं पीसीबी के कुछ अधिकारी चाहते हैं कि पाकिस्तान को टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच खेलना चाहिए।

विश्व टूर में बदलाव: इंडिया ओपन बैडमिंटन का दर्जा बरकरार, सैयद मोदी टूर्नामेंट का घटा

कुआलालंपुर (एजेंसी)। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) द्वारा सोमवार को घोषित भविष्य के कार्यक्रम में भारत का बड़ा झटका लगा है क्योंकि देश में होने वाले आयोजनों की संख्या चार से घटकर दो कर दी गई है जिसमें इस साल आयोजन संबंधी समस्याओं के बावजूद इंडिया ओपन ने अपना सुपर 750 दर्जा बरकरार रखा है लेकिन सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 का दर्जा घटाकर सुपर 100 कर दिया गया।

विश्व टूर कार्यक्रम से जिन टूर्नामेंटों को हटाया गया है उनमें गुवाहाटी और ओडिशा में आयोजित सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। इन टूर्नामेंटों को 2023 में शुरू किया गया था। लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय का आयोजन राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन सैयद मोदी की स्मृति में होता है। यह साल 2018 से विश्व टूर सुपर 300 स्तर का टूर्नामेंट रहा है। 2009 में ग्रां प्री टूर्नामेंट के रूप में शुरू हुआ यह आयोजन अब अगले सत्र से सर्किट में शामिल आठ सुपर 100 टूर्नामेंटों में से एक होगा।

BWF ने सैयद मोदी टूर्नामेंट के स्तर को कम करने या ओडिशा और गुवाहाटी के टूर्नामेंटों को कैलेंडर से हटाने के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं किए हैं। दिल्ली में आयोजित होने वाले इंडिया ओपन को 2023 में सुपर 750 का दर्जा दिया गया था। वह अपनी ग्रेड दो, लेवल तीन स्थिति बनाए रखेगा और 2027-30 के नए चक्र में भी पांच सुपर 750 टूर्नामेंटों में शामिल रहेगा। इस साल इंडिया ओपन विवादों में भी रहा था। कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने साफ-सफाई सहित आयोजन की अन्य खामियों की ओर इशारा किया था। नए बदलावों के तहत विश्व टूर की छह-स्तरीय संरचना में 36 टूर्नामेंट शामिल होंगे। इसमें टूर्नामेंट विश्व टूर फाइनल्स, पांच सुपर 1000 टूर्नामेंट, पांच सुपर 750, नौ सुपर 500, आठ सुपर 300 और आठ सुपर 100 टूर्नामेंट शामिल हैं। खास बात यह है कि सुपर 100 टूर्नामेंट पहली बार मुख्य टूर में शामिल होंगे। सुपर 1000 स्तर के पहले चार टूर्नामेंट होते थे लेकिन अब इस स्तर के पांच टूर्नामेंट एशिया और यूरोप में आयोजित होंगे। इसमें एकल में 48 खिलाड़ी ग्रुप और फिर एलिमिनेशन चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि युगल में 32 जोड़ियों का नॉकआउट ड्रॉ होगा। हर सुपर 1000 टूर्नामेंट 11 दिन तक दो सप्ताहांत में चलेगा और इसके 1,095 मैच पूरी दुनिया में प्रसारित किए जाएंगे। BWF ने बताया कि विश्व टूर में कुल वार्षिक पुरस्कार पूल लगभग 26.9 मिलियन डॉलर होगा। इसमें हर श्रेणी की पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की गयी है। BWF ने कहा, 'सुपर 1000 टूर्नामेंट के लिए 20 लाख डॉलर, सुपर 750 के लिए 11 लाख , सुपर 500 के लिए 5.60 लाख, सुपर 300 के लिए 2.90 लाख और सुपर 100 के लिए 1.40 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि रखी गयी है।'

आईसीसी ने पीसीबी की शर्तों को मानने से इंकार किया

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की उन शर्तों को खारिज कर दिया है जो उसने भारत के साथ मैच खेलने के लिए रखीं थीं।इससे अब 15 फरवरी को भारत और पाक के बीच मैच होने की संभावनाएं कम हो गयी हैं। आईसीसी ने पीसीबी की मांगों को मानने से साफ मना कर दिया। पीसीबी ने आईसीसी के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज़ को फिर से शुरू करने की ठोस गारंटी। दूसरी आईसीसी की कुल कमाई में पाकिस्तान के हिस्से को बढ़ाने की मांग। तीसरी और अहम मांग यह थी कि भविष्य में हाथ न मिलाने जैसे घटनाक्रम दोबारा न हों और इसके लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल तय किया जाए। इसके अलावा पीसीबी ने बांग्लादेश के लिए मुआवज़ा और भविष्य के आईसीसी इवेंट्स की मेज़बानी से जुड़े मुद्दे भी उठाए।आईसीसी ने इन मांगों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। हालांकि परिषद ने यह आश्वासन ज़रूर दिया कि बांग्लादेश को आईसीसी राजस्व में उसका पूरा हिस्सा मिलेगा, लेकिन किसी भी तरह के अतिरिक्त मुआवज़े से साफ इंकार किया गया।

इटली के कप्तान मैडसेन चोटिल हुए, आगे खेलने की संभावना नहीं

कोलकाता ।इटली के कप्तान वेन मैडसन टी20 विश्व कप के अपने पहले ही मैच में चोटिल होकर बाहर हो गये हैं। स्कॉटलैंड के ख़िलाफ इस मैच के चौथे ही ओवर में फ़ील्डिंग करते समय मैडसन के कंधे पर गंभीर चोट लग गयी। मैडसन उस समय मिडविकेट पर फ़ील्डिंग कर रहे थे। वह जॉर्ज मंसी के पुल शॉट को रोकने के प्रयास में गिर गये। इसके बाद उन्हें स्टेडियम से बाहर ले जाया गया। मैडसेन इटली के सबसे अनुभवी क्रिकेटर हैं। ऐसे में उनका चोटिल होना टीम के लिए करारा झटका है। वह अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं। उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। कंधे की चोट गंभीर होती है। ऐसे में उनका अब इस टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध नजर आता है। जो बर्न्स के टूर्नामेंट के लिए चयनित नहीं होने के बाद मैडसेन को टी20 विश्व कप के लिए इटली का कप्तान बनाया गया था। इटली को इस मैच में 73 रनों से हार का भी सामना करना पड़ा है। स्कॉटलैंड ने ग्रुप सी के इस मैच में इटली को हराकर पहला मैच जीता। स्कॉटलैंड ने इस मैच में 208 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम ने 16 औवर और चार गेंदों में 9 विकेट पर 134 रन ही बना पायी। ऑफ स्पिनर लीस्क ने 17 रन देकर चार विकेट लिए । इटली की ओर से बेन मानेंती ने 52 और हैरी मानेंती ने 37 रन बनाये पर वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पाये।

टी20 विश्वकप : गेंदबाजों के कमाल के बाद बेनेट की नाबाद पारी से जिम्बाब्वे ने ओमान को हराया

कोलंबो (एजेंसी)। ब्लेसिंग मुजरबानी की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद ब्रायन बेनेट की 36 गेंद में नाबाद 48 रन की पारी से जिम्बाब्वे ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां 45 गेंद शेष रहते ओमान को आठ विकेट से शिकस्त दी। ओमान को 103 रन पर आउट करने के बाद जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 106 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। मुजरबानी ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लेते हुए ओमान के शीर्ष क्रम को झकझोरा। उन्हें रिचर्ड नगारवा का (चार ओवर में 17 रन पर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रैंड इवांस ने 3.5 ओवर में 18 रन पर तीन विकेट लेते हुए जिम्बाब्वे के निचले क्रम को आउट किया।

ओमान ने 27 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे और टीम पर काफी कम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था। विनायक शुक्ला (21 गेंद में 28 रन), सूफ़ियान महमूद (39 गेंद में 25) और नदीम खान (18 गेंद में 20) की उपयोगी पारियों से टीम ने 100 रन के आंकड़े को पार किया। इन तीनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में रन बनाने में नाकाम रहा। विनायक और सूफ़ियान ने छठे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी कर ओमान को जल्दी आउट होने बचाया तो वहीं नदीम ने आखिरी ओवरों में कुछ बड़े शॉट के साथ टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने तेज शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज तादिवांशे मारुमनी ने 11 गेंदों में 21 रन की तेज पारी खेली, लेकिन महमूद की गेंद पर वसीम अली ने शानदार कैच लेकर उन्हें पवेलियन भेज दिया। महमूद ने उसी ओवर में डियोन मायर्स को खाता खोले बिना आउट कर दिया। इसके बाद बेनेट और अनुभवी विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर (30 गेंदों में 31 रन, रिटायर्ड हर्ट) ने तीसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी कर जिम्बाब्वे को 13.3 ओवर में ही जीत दिला दी। 22 साल के बेनेट पिछले कुछ समय से शानदार लय में है। उन्होंने इससे पहले घरेलू सरजमीं पर तीन अर्धशतक और एक शतक लगाकर जिम्बाब्वे को इस विश्व कप में जगह दिलाई थी।

अनुभवी टेलर भी पीछे नहीं रहे और उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेलते हुए टीम को आसान जीत दिलाई। जिम्बाब्वे की टीम टी20 विश्व कप के पिछले सत्र में बाहर रहने के बाद मौजूदा टूर्नामेंट में खुद को साबित करने उतरी है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसे मुजरबानी और नगारवा ने सही साबित किया। मुजरबानी ने अपने शुरुआती दो ओवर में तीन जबकि नगावरा ने एक विकेट लिये जिससे चार ओवर के बाद ओमान का स्कोर चार विकेट पर 17 रन हो गया।

पावरप्ले के बाद गेंदबाजी के लिए आये रजा ने वसीम अली (तीन) को बोल्ड कर 27 रन तक ओमान की आधी टीम को पवेलियन की राह दिखा दी। विनायक और महमूद ने इसके बाद पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों की 42 रन की अहम साझेदारी को नगावरा ने विनायक को विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर के हाथों कैच कराकर तोड़ा। इवांस ने महमूद की को डीप स्क्वायर लेग पर कैच कराकर ओमान को 76 रन पर आठवां झटका दिया। नदीम ने इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ कुछ बड़े शॉट के दम पर टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया।

भारत के तेजस्विन ने एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

-पूजा, तजिंदरपाल को रजत, पांच पदक जीतकर छठे स्थान पर रहा भारत

तिआनजिन (एजेंसी)। भारत के तेजस्विन शंकर ने चीन में आयोजित एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। शंकर ने पुरुषों की हेप्टाथलॉन स्पर्धा में ये स्वर्ण पदक जीता। इसी के साथ ही भारतीय दल ने इस टूर्नामेंट में कुल पांच पदक जीते हैं। इस प्रकार भारतीय को पदक तालिका में छठा स्थान मिला है। वहीं मेज़बान चीन ने कुल 10 स्वर्ण, 11 रजत और 13 कांस्य पदक 34 पदक के साथ ही पहला स्थान हासिल किया है। तेजस्विन ने हेप्टाथलॉन में कुल 5993 अंकों के साथ ही स्वर्ण पदक हासिल करने के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर इंडोर रिकॉर्ड भी तोड़ा। इससे पहले उनका सबसे अधिक स्कोर 5650 अंक का था, ये उन्होंने साल 2021 में अमेरिका में बनाया था ।शंकर ने इस टूर्नामेंट में पहले दिन से ही बढ़त हासिल कर ली। जो दूसरे दिन भी जारी रखी। उन्होंने 60 मीटर बाधा दौड़ के साथ ही पोल वॉल्ट और 1000 मीटर दौड़ में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया। वहीं भारत की ही पूजा ने महिलाओं की ऊंची कूद में 1.87 मीटर छलांग लगाकर रजत जबकि तजिंदरपाल सिंह तोर ने पुरुषों की शॉट पुट में 20.05 मीटर गोला फेंककर रजत पदक हासिल किया। एंसी सोजन ने लंबी कूद में 6.21 मीटर छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। शॉट पुट स्पर्धा में चीन के चेंगयू चेन ने 20.07 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं भारत के समरदीप सिंह गिल लंबी कूद में 18.97 मीटर छलांक लगाकर पांचवें स्थान पर रहे ।महिलाओं की लंबी कूद में भारत की मौमिता मंडल ने 6.01 मीटर की छलांग लगाकर छठा स्थान प्राप्त किया।

टी20 वर्ल्ड कप में अश्विन का बड़ा रिकॉर्ड खतरे में, अर्शदीप सिंह महज इतने विकेट दूर

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की बात करें तो समय के साथ यह सूची तेजी से बदलती नजर आ रही है। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने ऐसी रफ्तार पकड़ी है कि वह जल्द ही इस प्रतिष्ठित रिकॉर्ड के सबसे बड़े दावेदार बन चुके हैं। फिलहाल यह रिकॉर्ड अनुभवी ऑफस्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नाम दर्ज है।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

- रविचंद्रन अश्विन - 32
- अर्शदीप सिंह - 29
- जसप्रीत बुमराह - 26
- हार्दिक पंड्या - 24
- रविंद्र जडेजा - 22

अर्शदीप सिंह रिकॉर्ड की दहलीज पर

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियानों में अहम कड़ी बनकर उभरे हैं। अब तक वह इस टूर्नामेंट में 29 विकेट चटका चुके हैं और भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ3 विकेट दूर हैं। पावरप्ले और डेथ ओवर्स में उनकी सटीक यॉर्कर और स्विंग गेंदबाजी ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि कम मैचों में इस स्तर तक पहुंचना अर्शदीप की निरंतरता और अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है।

रविचंद्रन अश्विन का लंबे समय से चला आ रहा दबदबा

भारत के पूर्व मुख्य स्पिन हथियार रविचंद्रन अश्विन टी20 वर्ल्ड कप में अब तक 32 विकेट लेकर इस सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। कई संस्करणों में अपनी कसी हुई गेंदबाजी और अहम मौकों पर विकेट निकालने की क्षमता के दम पर अश्विन ने यह रिकॉर्ड कायम किया था। लंबे समय तक यह आंकड़ा भारतीय गेंदबाजों के लिए एक मानक बना रहा।

बुमराह और हार्दिक की अहम भूमिका

इस सूची में तीसरे स्थान पर भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं, जिनके नाम 26 विकेट दर्ज हैं। बुमराह की सटीक लाइन-लेंथ और दबाव में विकेट लेने की काबिलियत उन्हें खास बनाती है। वहीं चौथे स्थान पर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या हैं, जिन्होंने 24 विकेट लेकर टीम को संतुलन प्रदान किया है। हार्दिक ने कई मौकों पर साझेदारी तोड़कर भारत को मैच में वापसी दिलाई है।

जडेजा और बदलती गेंदबाजी की तस्वीर

पांचवें नंबर पर अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा हैं, जिनके नाम 22 विकेट हैं। जडेजा की किफायती गेंदबाजी और फील्डिंग ने भारत को कई अहम मुकाबलों में फायदा पहुंचाया है। जानकारों के मुताबिक, यह सूची दिखाती है कि भारतीय टी20 गेंदबाजी अब सिर्फ स्पिन पर निर्भर नहीं रही, बल्कि तेज और स्पिन के संतुलित संयोजन की ओर बढ़ चुकी है।

आगे क्या टूटेगा रिकॉर्ड?

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की यह सूची बदलाव के दौर से गुजर रही है। अर्शदीप सिंह का अश्विन के रिकॉर्ड के करीब पहुंचना भारतीय क्रिकेट में नई पीढ़ी के तेज गेंदबाजों के उभार का संकेत है। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, निगाहें इस बात पर टिकी रहेंगी कि क्या अर्शदीप इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड को अपने नाम कर पाते हैं या नहीं।

विश्वकप में भाग लेने नहीं मैच जीतने आयी है नेपाल टीम : पौडेल

मुम्बई ।इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा है कि उनकी टीम विश्वकप में एक या दो टीमों को हराने का प्रयास करेगी। नेपाल का पहले टी20 मैच में अंतिम ओवर में केवल चार रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से ही टीम के हौंसले बुलंद हैं। टीम दो बार के विश्व चैंपियन इंग्लैंड को हराने के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम ओवर में वह जीत के करीब आकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी। पोडेल के अनुसार उनकी टीम का लक्ष्य हर मैच में जीत के इरादे से उतरना रहेगा। जिस प्रकार से टीम का पहले मैच में प्रदर्शन रहा है उससे उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में नेपाल पर बड़ी मुश्किल से केवल 4 रनों से जीत हासिल की। इस मुकाबले में उलटफेर की संभावनाएं तेज थीं पर। गेंदबाज सेम करन ने अंतिम ओवर में टीम को जीत दिला दी। इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में नेपाल की टीम छह विकेट पर 180 रन ही बना पायी। कप्तान पौडेल ने कहा, 'खिलाड़ियों ने पहले ही मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर बहुत गर्व है। जब हम इस विश्व कप में आए थे तभी ये ठानकर आए थे कि हम यहां सिर्फ हिस्सा लेने नहीं आए बल्कि हमारा लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। .हमने हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। अंतिम ओवर में हालांकि हम सफल नहीं रहे।.'

क्या 'अमर विश्वास' बन सच्चाई की जंग जीत पाएंगे राजीव खंडेलवाल

बीते कुछ दिनों से अभिनेता राजीव खंडेलवाल अपने सोशल मीडिया पर वकालत से जुड़ी तस्वीरें शेयर कर रहे थे। उनकी पोस्ट देख ये कयास लगाए जा रहे थे कि उन्होंने एक्टिंग छोड़कर वकालत शुरु कर दी है। लेकिन अब एक्टर ने सारी कन्फ्यूजन क्लियर कर दी है। उनके द्वारा शेयर की गई पोस्ट उनकी आगामी वेब सीरीज 'अमर विश्वास' से जुड़ी हुई थी।

'अमर विश्वास' लेखक सुहास शिर्वालकर के उपन्यासों पर आधारित है। कहानी एक मर्डर मिस्ट्री के इर्द-गिर्द घूमती है। जिसे शुरु में ही 'ओपन एंड शट' घोषित कर दिया जाता है। लेकिन फिर बाद में इसकी परतें खुलती हैं। ट्रेलर की शुरुआत जाने-माने फिल्म निर्माता जेस्सू मोमिन के मर्डर से होती है। शक बहार चक्रवर्ती नाम की एक लड़की पर जाता है, जिसे शुरुआत में अपराधी माना जाता है। इस बीच अमर विश्वास के कैरेक्टर में राजीव खंडेलवाल आते हैं। एक अनोखे और तेज दिमाग वाले वकील। जो जानते हैं कि सच हमेशा उतना सरल नहीं होता जितना दिखता है। जब अमर बहार की ओर से केस लड़ते हैं, तो वे धीरे-धीरे कई राज खोलने लगते हैं।

ट्रेलर सिर्फ सीरीज की एक झलक

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में राजीव खंडेलवाल ने अपने रोल के बारे में बताते हुए कहा, 'अमर विश्वास कोई पारंपरिक कोर्टरूम हीरो नहीं है। वह इंसानियत से भरा, भावनात्मक और न्याय के लिए हमेशा खड़ा रहने वाला है। मुझे यह रोल इसलिए पसंद आया क्योंकि यह पूरी सीरीज में मोरल टेंशन में रहता है। हर सच पर नई कीमत चुकानी पड़ती है। ट्रेलर सिर्फ इस सफर की एक झलक दिखाता है।'

शशांत शाह द्वारा निर्देशित 'अमर विश्वास' का निर्माण अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी. निशंदर ने किया है। सीरीज में राजीव खंडेलवाल के अलावा आमिर अली, रवि बेहल और बर्खा बिष्ट भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। यह सीरीज 11 फरवरी से स्ट्रीम होगी।

इस बिजनेसमैन को डेट कर रहीं शमिता शेट्टी?

एक्ट्रेस के लिए किया पोस्ट

फिल्म 'मोहब्बतें' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शमिता शेट्टी ने हाल ही में अपना 47वां जन्मदिन मनाया। इस जश्न में उनके साथ बहन शिल्पा शेट्टी और जीजू राज कुंद्रा भी मौजूद रहे। सोशल मीडिया पर सामने आई शमिता के जन्मदिन के सेलिब्रेशन की तस्वीरों में एक शख्स ऐसा भी नजर आया, जिसके साथ शमिता का नाम जोड़ा जा रहा है। ये शख्स है टेक्नो आर्टिस्ट-बिजनेसमैन दीपेश शर्मा।

दीपेश ने शमिता के लिए किया प्यारा पोस्ट

पिछले कुछ वक्त से दीपेश शर्मा और शमिता शेट्टी के रिलेशनशिप को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। इन अटकलों को तब और भी बल मिला, जब दीपेश शर्मा ने शमिता के जन्मदिन पर उन्हें खूबसूरत अंदाज में शुभकामनाएं दीं। दीपेश ने शमिता के लिए जो बर्थडे पोस्ट किया है, उसमें शमिता दीपेश के साथ नजर आई रही हैं। साथ में शिल्पा और राज कुंद्रा भी मौजूद हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में दीपेश ने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मेरी हमेशा की हंसी का राज, जिसे मेरी सारी कहानियां पता हैं और फिर भी साथ है। लव यू माई शम्स्टर।' दीपेश की पोस्ट पर शमिता के दीपेश की इस पोस्ट पर शमिता ने कमेंट करते हुए लिखा और इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट इमोजी भी बनाए। दीपेश की पोस्ट और उस पर शमिता के इस तरह के कमेंट के बाद अब दोनों के रिलेशन को लेकर चर्चाएं होने लगीं। फैन्स ये कयास लगाने लगे कि शमिता, दीपेश को डेट कर रही हैं। क्योंकि तस्वीरें दोनों की नजदीकियों की गवाही दे रही हैं। शमिता के रिलेशनशिप की चर्चा हुई, तो लोग दीपेश के बारे में भी सर्च करने लगे हैं।

क्या करते हैं दीपेश शर्मा?

दीपेश शर्मा की बात करें तो वो एक टेक्नो संगीत कलाकार और बिजनेसमैन हैं। वो मुंबई के फेमस नाइटलाइफ प्लेस पर मिलाग्रो और द कॉकटेल रूम के सह-संस्थापक के रूप में जाने जाते हैं। वो टुमॉरोलैंड जैसे बड़े फेस्टिवल्स में परफॉर्म करते हैं। यही नहीं दीपेश गोवा में क्रॉनिकल बीच क्लब के मालिक भी हैं। उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के अनुसार, दीपेश को बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त और सोनाक्षी सिन्हा जैसे स्टार्स फॉलो करते हैं।

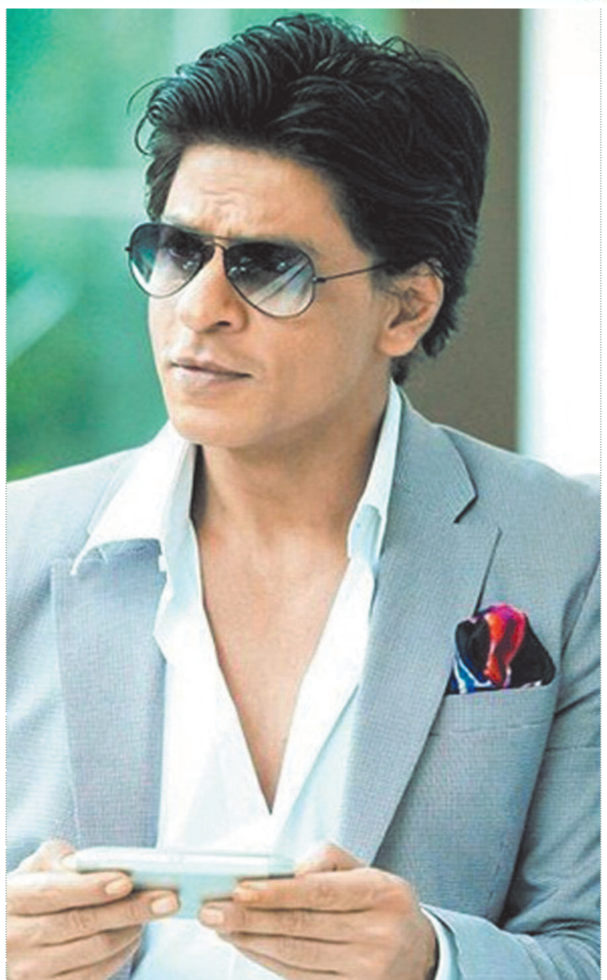

'किंग' के बाद किस फिल्म में नजर आएंगे शाहरुख खान? नए प्रोजेक्ट पर फराह खान से जारी है बातचीत

शाहरुख खान इन दिनों फिल्म 'किंग' की शूटिंग में बिजी हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही फराह खान के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर काम करने वाले हैं। खबर यह भी है कि फराह खान 'मैं हूं ना 2' की स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं। पिंकविला के मुताबिक 'किंग' के बाद शाहरुख खान की अगली बड़ी फिल्म 'मैं हूं ना 2' हो सकती है। फिल्म को लेकर शाहरुख और फराह के बीच बात चल रही है।

शाहरुख के होंगे डबल रोल

अगर यह खबर सही है तो दो दशकों के बाद 'मैं हूं ना' का सीक्वल 'मैं हूं ना 2' बनेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फराह खान ने शाहरुख खान के लिए डबल-रोल तय किया है। फिल्म में शाहरुख खान दो अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

बताया जाता है कि 'मैं हूं ना 2' देशभक्ति से भरपूर होगी। इसमें ओरिजिनल कास्ट दोबारा नजर आएगी। इसकी कहानी भारत पर एक नए खतरे के इर्द-गिर्द घूमेगी। इसमें एक्शन और कॉमेडी भी होगी। मेन आइडिया खुद शाहरुख खान का है। इस आइडिया को आकाश कौशिक डेवलप कर रहे हैं।

फिल्म की कहानी सुनेंगे शाहरुख

'किंग' के बाद शाहरुख खान के बिजी शेड्यूल को देखते हुए टाइमलाइन पर काम किया जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि शाहरुख खान मई 2026 में 'किंग' की शूटिंग खत्म करने के बाद 'मैं हूं ना 2' की कहानी सुनेंगे। इसके बाद वह प्रोजेक्ट पर फैसला लेंगे।

'मैं हूं ना' की स्टारकास्ट

'मैं हूं ना' (2004) को फराह खान ने डायरेक्ट किया था। इसे गौरी खान और रतन जैन ने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और वीनस मूवीज के तहत प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म में शाहरुख खान, सुष्मिता सेन, सुनील शेट्टी, अमृता राव और जायद खान ने अहम रोल निभाए थे।

एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है 'दो दीवाने सहर में'

संजय लीला भंसाली के बैनर तले रोमांटिक ड्रामा 'दो दीवाने सहर में' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, भावनात्मक उलझनों और आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्यार की बदलती परिभाषाओं को संवेदनशील तरीके से पेश करती है, जो एक साथ निजी भी हो और बेहद रिलेटेबल भी। ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह फिल्म मुंबई की चमक-दमक वाली जिंदगी में दो ऐसे लोगों की कहानी बताती है जो अपनी कमियों से जूझते हुए प्यार ढूंढते हैं। ट्रेलर में संदीपा धर की छोटी लेकिन प्रभावशाली एंट्री ने खासा ध्यान खींचा है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन हर फ्रेम में उनका कॉन्फिडेंस और मजबूत प्रेजेंस साफ दिखता है। संदीपा ने अपने स्क्रीन प्रेजेंस से उत्सुकता का तड़का लगाया है। उनकी मौजूदगी फिल्म के अर्बन और रोमांटिक मूड के साथ अच्छी तरह घुलमिल गई है। उनकी संयमित और सधी हुई एक्टिंग से लगता है कि संदीपा का किरदार भावनात्मक गहराई वाला है, जो फिल्म में आगे चलकर खुलकर सामने आएगा। संजय लीला भंसाली जैसे बड़े फिल्ममेकर के साथ काम करना संदीपा के करियर का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अब तक ऐसे रोल चुने हैं, जो उन्हें एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में आगे ले जाते हैं। इसी कड़ी में 'दो दीवाने सहर में' से उनका जुड़ाव कंटेंट-ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच-समझकर किए गए कदम को दर्शाता है। संदीपा ने फिल्म को लेकर कहा, 'फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। मृणाल, मेरी रोशनी, तुम्हारी परफॉर्मेंस में इतनी ईमानदारी और संवेदनशीलता है कि कई बार मैं भूल जाती थी कि तुम अभिनय कर रही हो।

'एनिमल पार्क' को लेकर संदीप रेड्डी वांगा ने दी बड़ी अपडेट, बताया कब शुरू होगी शूटिंग

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी। भारत में रिलीज और अपार सफलता के लगभग दो साल बाद अब 'एनिमल' जापान में रिलीज होने वाली है। 13 फरवरी को फिल्म की रिलीज से पहले कुछ खास दर्शकों के लिए फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई। इस दौरान निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा और अभिनेता रणबीर कपूर ने लोगों से बात भी की। इसी दौरान जब फिल्म के सीक्वल 'एनिमल पार्क' के बारे में पूछा गया तो संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि कब फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।

2027 के मिड में शुरू होगी 'एनिमल पार्क' की शूटिंग

'एनिमल पार्क' के बारे में बात करते हुए संदीप रेड्डी वांगा ने कहा, 'मौजूदा फिल्म खत्म होते ही 'एनिमल पार्क' की शूटिंग शुरू हो जाएगी। इसमें और भी जानवर होंगे क्योंकि अजीज भी एक जानवर है। इसे ध्यान में रखते हुए अब कहानी दो भाइयों के बीच होगी, जो दिखने में एक जैसे हैं। इसलिए मुझे लगा कि एनिमल पार्क सही टाइटल रहेगा। मैं 2027 के मिड में शूटिंग शुरू करूंगा।' संदीप रेड्डी वांगा अभी फिलहाल प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर 'स्पिरिट' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी 'एनिमल'

एक्शन-थ्रिलर 'एनिमल' साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में पिता-पुत्र के उलझे हुए रिश्ते को दिखाया गया था। रणबीर ने रणविजय विजय सिंह का किरदार निभाया था। जबकि अनिल कपूर ने पिता का किरदार निभाया था। फिल्म में रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी भी प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी और इसने दुनिया भर में 900 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। हालांकि, फिल्म के कई सीन और अत्यधिक हिंसा को लेकर इसकी आलोचना भी की गई थी।

'एनिमल पार्क' को लेकर उत्साहित हैं रणबीर

इस मौके पर रणबीर कपूर ने भी फिल्म को लेकर बात की और 'एनिमल पार्क' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। अभिनेता ने कहा, 'संदीप के साथ सेट पर वापस आने और इस किरदार को निभाने के लिए मैं बहुत उत्साहित हूं। अब एक और किरदार है। चूंकि यह एक निरंतर कहानी है, इसलिए पहले भाग की शूटिंग के दौरान ही उनके दिमाग में दूसरे पार्ट की कहानी भी स्पष्ट थी। एक अभिनेता के तौर पर यह मेरे लिए बहुत रोमांचक और प्रेरणादायक है। हम दोनों लगातार बातचीत करते रहते हैं और अलग-अलग आइडिया पर चर्चा करते रहते हैं।'

'लव एंड वॉर' और 'रामायण' में नजर आएंगे रणबीर

रणबीर कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' पर काम कर रहे हैं। यह 1960 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है। इसमें उनके साथ पत्नी आलिया भट्ट और विक्की कौशल प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके इसी साल रिलीज होने की संभावनाएं हैं। इसके अलावा रणबीर नितेश तिवारी की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण: पार्ट वन' में भी नजर आएंगे। इसमें वह भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म इस साल दिवाली पर रिलीज होगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।